TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

पेज-8 | फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में पहुंची पाउला बडोसा | वर्ष-01 | अंक-27 | नई दिल्ली, गुरुवार 26 मई, 2022 | पृष्ठ-08 | ₹-2 रु0

यासीन मलिक को उम्रकैद, 10 लाख रु जुमार्ना

मलिक को विभिन्न अपराधों में मिली सजा...

- यूएपीए की धारा 38 (आतंकवादी अधिनियम) पांच साल पांच हजा रुपये
- धारा 39(आतंकवादी अधिनियम) पांच साल पांच हजार रुपये
- 13 (आतंकवादी अधिनियम) पांच साल पांच हजार रुपये
- 15(आतंकवादी अधिनियम सजा धारा 16) दस साल दस हजार रुपये
- 17 (आतंकवादी अधिनियम के लिए धन जुटाना) उम्रकैद 10 लाख रुपये
- 18 (आतंकवादी कृत्य करने की साजिश) दस साल दस हजार रुपये
- 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होना) दस साल दस हजार रुपये
- 120–बी (आपराधिक साजिश) दस साल दस हजार रुपये
- आईपीसी की धारा 121–ए (देशद्रोह) दस साल दस हजार रुपये
- 121(भारत सरकार के खिलाफ युद्ध का प्रयत्न) उम्रकैद दस हजार रुपये

सजा से सीमापार आतंकी फंडिंग पर कड़ा प्रहार

नई दिल्ली। अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मिली सजा सीमापार से आतंकी फंडिंग पर कड़ा प्रहार है। यासीन पर लगे आरोपों को साबित करने के लिए एनआईए ने पुख्ता सबूत जुटाए और विभिन्न कड़ियों को जोड़ा। मामला जमात-उद-दावा के अमीर हाफिज मुहम्मद सईद और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के सदस्यों, कैडरों सहित अलगाववादी नेताओं की साजिश से संबंधित है, जिन्होंने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के सक्रिय आतंकवादियों के साथ मिलीभगत से काम किया था। हिजबुल मुजाहिदीन, दुख्तारन-ए-मिल्लत, लश्कर-ए-तैयबा और अन्य अलगाववादी संगठनों के साथ आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए हवाला सहित अन्य अवैध माध्यमों से घरेलू और विदेशों से धन जुटाने और एकत्र करने के साक्ष्य मिले थे। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर पथराव, स्कूलों को जलाने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़कर कश्मीर घाटी में व्यवधान पैदा करने के लिए इस धनराशि का उपयोग किया गया। मामला स्वतः संज्ञान लेते हुए 30 मई 2017 को दर्ज किया गया था।

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकवादी संगठन जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के सरगना यासीन मलिक को बुधवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आतंकवादियों को धन मुहैया कराने के मामले में आजीवन कारावास की सजा और 10 लाख रुपये का जुमार्ना सुनाया।

आतंकवादी सरगना मलिक जनवरी 1990 में कश्मीर में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना सहित भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों और जवानों की हत्या के मामले चर्चित हुआ था। उसके खिलाफ 2017 में आतंकवाद और विघटनकारी करतूतों में शामिल होने के आरोपों में मामला दायर किया गया था।

मलिक ने 19 मई 2022 को एनआईए के मामलों की सुनवाई करने वाली पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत में अपने जुर्म कबूल किये थे।

अदालत ने इस मामले में सजा सुनाने के लिए आज दोपहर बाद का समय निर्धारित किया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी थी और परिसर सुरक्षा कर्मियों के शिविर जैसा लग रहा था। सुरक्षा में पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बल के दस्ते भी तैनात किये गये थे।

परिसर में मलिक को लाये जाने से पहले बम निस्तारण दस्ते और प्रशिक्षित कुत्तों से जांच करायी गयी थी। न्यायालय कक्ष में विशेष एनआईए न्यायाधीश प्रवीण सिंह के करीब साढ़े पांच से पहुंचने से पहले मलिक को वहां लाया गया था।बुधवार को अदालती कार्रवाई के दौरान एनआईए ने मलिक को मृत्यु दंड दिये जाने की दलील दी थी।मलिक के मामले में फैसला अपराह्न साढ़े तीन बजे सुनाया जाना था लेकिन इसमें घंटे भर से अधिक देरी हुई। इस बीच, जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में यासीन के घर मैसुमा इलाके में पथराव की छिटपुट घटनाओं की रिपोर्ट आयी हैं। स्क्वाड्रन लीडर खन्ना की पत्नी निर्मल खन्ना ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह जेकेएलएफ के इस आतंकवादी को मौत की सजा चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह उनके पति की हत्या के बावजूद 32 साल तक जीवित बचा है। उन्होंने सजा सुनाये जाने से पहले जम्मू में संवाददाताओं से कहा था, मैं अपने मामले में चाहूंगी कि मौत के बदले मौत की सजा मिले। जहां तक आतंकवादियों को धन पहुंचाने का मामला है तो मलिक को उसमें अदालत जो उचित समझे, सजा दे।

सभी सजाएं साथ चलेंगी

अदालत ने इन सभी धाराओं में अलग-अलग सजा व जुमार्ना सुनाया है। दोषी यासीन मलिक को सभी धाराओं क तहत मिली सजा एक साथ काटनी होगी। जबकि जुमार्ना रकम हर अपराध के लिए अलग-अलग भरना होगा।

2018 में आरोप पत्र दायर

दो फरार आरोपी व्यक्तियों हाफिज मोहम्मद सईद, लश्कर प्रमुख और हिजबुल के मोहम्मद सलाहुद्दीन सहित 12 आरोपियों के खिलाफ 18 जनवरी 2018 को आरोप पत्र दायर किया गया था। जांच में एनआईए को पक्के सबूत मिले थे मलिक का गैरकानूनी संगठन जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का प्रमुख है।

पहले भी चर्चा में रहा है मलिक

1. कश्मीरी पंडितों का नरसंहार

- मलिक की पार्टी जेकेएलएफ के आतंकियों ने ही कश्मीरी पंडितों के नरसंहार और पलायन को अंजाम दिया।

2. रुबिया सईद अपहरण

- 8 दिसंबर 1989 को तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबिया सईद का अपहरण कर लिया गया था। कहा जाता है कि ये मलिक के इशारे पर ही हुआ था।

3. वायुसेना जवानों पर हमला

- 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में आतंकियों ने वायुसेना जवानों पर हमला कर दिया। इसमें चार जवान शहीद जबकि 40 घायल हुए थे। इसमें यासीन मलिक पर साजिश रचने का आरोप है।

4. अलगाववादी नेता की छवि

- 1994 तक जेकेएलएफ प्रमुख के तौर पर कत्लेआम मचाने वाले यासीन मलिक ने बातचीत के जरिये कश्मीर को आजाद कराने का रास्ता चुना। साल 2006 में मलिक व अन्य अलगाववादी नेताओं को दिल्ली बुलाकर उनसे बातचीत की गई थी।

5. कश्मीर फाइल्स से चर्चा में

- फिल्म द कश्मीर फाइल्स की रिलीज के साथ ही पाकिस्तान समर्थक अलगाववादियों और आतंकवादियों की भी चर्चा हुई। इनमें यासीन मलिक भी शामिल।

बारामूला मुठभेड़: तीन पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये।

मुठभेड़ के दौरान एलिट पुलिस यूनिट के विशेष पुलिस अधिकारी मुदस्सिर अहमद शहीद हो गए।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि सुरक्षा बलों की ओर से नाजीभट क्रीरी इलाके में लगाए गए एक तलाश केंद्र पर मुठभेड़ हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आज पूरे कश्मीर में कई नाका लगाए गए। नजीभट के एक नाके पर मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए।

उन्होंने कहा, मुठभेड़ में हमारा एक बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गया।ह्व उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से आपत्तिजनक सामग्री के साथ हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

वहीं, रक्षा मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तीनों आतंकवादी एक सैंट्रो कार में घूम रहे थे। उन्होंने कहा,कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के एक सैंट्रो कार में पुथका से मिरागुंड की ओर जाने की विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने पर (सेना की) 52 राष्ट्रीय राइफल (आरआर) और बारामूला पुलिस की संयुक्त टीम ने एक निगरानी सह घात अभियान शुरू किया। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की टीम पर गोलीबारी की। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा, ये आतंकवादी पिछले 3-4 महीनों से इस क्षेत्र में सक्रिय थे और पुलिस तथा सुरक्षा बलों द्वारा उन्हें ट्रैक किया जा रहा था।

आईजीपी कुमार ने तीनों आतंकवादियों के मारे जाने को सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता बताया और कहा कि एक बड़ा हमला टल गया।

राहुल ने झीरम घाटी में शहीद नेताओं, जवानों को किया नमन

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र झीरम घाटी में आज ही के दिन 2013 में नक्सली हमले में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं और जवानों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री गांधी ने ट्वीट किया, '2013 में झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में हमने अपने कई कांग्रेस के साथियों और जवानों को खो दिया था। हम अपने देशभक्त साथियों की वीरता को सलाम करते हैं, उनकी शहादत हम कभी नहीं भूल सकते।' गौरतलब है कि 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर नक्सलियों ने हमला कर दिया था, जिसमें प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सहित कई कार्यकर्ता और जवान शहीद हुए थे।

सिर्फ कानून मानने वाले ही कर सकते हैं मौलिक अधिकारों का दावा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों के संदर्भ में बड़ा फैसला दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा है कि मौलिक अधिकार के नाम पर कोई भी सुरक्षा कवच उन्हीं नागरिकों को मिल सकता है, जो नियमों का पालन करते हों। जो कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करते हों। कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की बाढ़ है, तब यह फैसला काफी अहम हो जाता है।

जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने बीते हफ्ते इस बाबत फैसला सुनाया। इसमें कहा गया कि मौलिक अधिकारों के संबंध में कोई दावा तभी मान्य है जब ऐसा करने वाला व्यक्ति खुद न्यायायिक प्रक्रिया का पालन कर रहा हो। यह फैसला कोर्ट ने एक आरोपी के मामले में सुनाया। इस शख्स पर महाराष्ट्र सरकार ने एंटी-गैंगस्टर कानून मकोका लगाया था। सुप्रीम कोर्ट में उसने इस फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट के इस फैसले का असर कई मामलों पर पड़ने के आसार हैं। इसे कोर्ट में भविष्य में सामने आने वाले मामलों के लिए नजीर के तौर पर देखा जा सकता है। आरोपी ने गैंगस्टर कानून को चुनौती देते हुए कहा था कि इससे उसके बुनियादी अधिकारों पर असर पड़ेगा। उसने मकोका को हटाने की कोर्ट से गुजारिश की थी।

अपने फैसले में जस्टिस माहेश्वरी ने इस बारे में विस्तृत तौर पर लिखा। इसमें कहा गया कि कोर्ट साफ करना चाहती है कि ऐसा कोई शख्स जो घोषित तौर पर भगौड़ा हो और जो जांच एजेंसियों के हाथ नहीं आ रहा हो, वह सामान्य तौर पर किसी रियायत के लिए हकदार नहीं है। बेंच ने उदाहरण देते हुए कहा कि सामान्य मामलों में आरोपी को अग्रिम जमानत के लिए किसी भी कोर्ट का दरवाजा खटखाने का अधिकार है। इसके लिए वह क्रिमिनल प्रोसीजर कोड के सेक्शन 438 का हवाला देकर अदालत जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि इसके उलट यह तब नहीं किया जा सकता है जब आरोपी भगोड़ा है। पुलिस ने उसे आदतन अपराधी घोषित किया है। ऐसे व्यक्ति को सेक्शन 438 का लाभ नहीं दिया जा सकता।कोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 136 के तहत उसे सेक्शन 438 के अंतर्गत किसी आरोपी की मांगों पर विचार करने का अधिकार मिलता है। हालांकि, अपील करने वाले शख्स पर गंभीर आरोपों में केस दर्ज हैं। ऐसे में उसकी अपील पर राहत नहीं दी जा सकती है।

आरोपी ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने नागपुर के एडीजी पुलिस के फैसले को कायम रखा था। पुलिस ने इस शख्स पर मकोका लगाया था। बेंच ने पाया था कि इस शख्स का इतिहास आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा रहा है। हाई कोर्ट के इसी फैसले के खलिाफ शख्स ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सिब्बल ने सपा के समर्थन से दाखिल किया रास चुनाव का नामांकन

कहा, 16 मई को छोड़ दी थी कांग्रेस

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के नेता रहे कपिल सिब्बल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संवाददाताओं को बताया कि सिब्बल ने पार्टी के समर्थन से राज्यसभा चुनाव का नामांकन दाखिल किया है।

नामांकन के दौरान सिब्बल के साथ सपा अध्यक्ष के अलावा पार्टी के प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव तथा अन्य वरिष्ठ सपा नेता भी मौजूद थे।

पर्चा दाखिल करने के बाद सिब्बल ने कहा, मैंने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा है और मैं अखिलेश जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमें समर्थन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह 16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं और अब वह कांग्रेस के नेता नहीं हैं।

सिब्बल को समर्थन देने के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा, कपिल सिब्बल देश के जाने-माने अधिवक्ता हैं। वह लोकसभा में या राज्यसभा में रहे हों, उन्होंने बात को अच्छी तरह रखा है। हमें उम्मीद है कि देश में जो बड़े-बड़े सवाल हैंङ्क आज देश किस रास्ते पर है, महंगाई रुक नहीं रही है और चीन लगातार हमारी सीमाओं पर आगे बढ़ता जा रहा हैङ्कइन तमाम बड़े सवालों पर कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी और अपने विचारों को आगे रखेंगे।

कांग्रेस से नाता तोड़ने के कारण के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, कांग्रेस से 31 साल तक मेरे गहरे रिश्ते रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है। राजीव गांधी की वजह से कांग्रेस में आया था। आप भी सोच रहे होंगे कि 31 साल बाद कांग्रेस से कोई चला जाएगा? तो कुछ न कुछ तो होगा। दिल पर बीत रहा होगाङ्क. कभी-कभी ऐसे फैसले करने पड़ते हैं, लेकिन हमारी विचारधारा कांग्रेस से जुड़ी हुई है। हम कांग्रेस से दूर नहीं हैं, उसकी विचारधारा से दूर नहीं हैं, हम कांग्रेस की भावनाओं के साथ हैं। हम चाहते हैं हिंदुस्तान एक समावेशी भारत बने।

इस सवाल पर कि क्या अब वह समाजवादी विचारधारा को अपनाएंगे, सिब्बल ने कहा हम सब समावेशी विचारधारा के साथ हैं। सपा, राष्ट्रीय लोक दल, स्टालिन, ममता बनर्जी सबके साथ हैं। हम चाहते हैं कि देश एक रहे।

सिब्बल ने कहा, हम विपक्ष में रहकर एक गठबंधन बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि 2024 में ऐसा माहौल बने कि मोदी सरकार की जो खामियां हैं उन्हें जनता तक पहुंचाया जाए।

गौरतलब है कि सिब्बल को सपा का राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने की अटकलें मंगलवार से ही लगनी शुरू हो गई थीं। हालांकि, पार्टी ने इसकी पुष्टि नहीं की थी।

सिब्बल ने भ्रष्टाचार तथा कई अन्य आरोपों में लगभग 27 महीने तक सीतापुर जेल में बंद रहे सपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक आजम खां को उच्चतम न्यायालय से जमानत दिलवाने में उनके वकील के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खां अपने प्रति कथित बेरुखी को लेकर सपा नेतृत्व से नाराज हैं। माना जा रहा है कि सिब्बल को समर्थन देकर इस नाराजगी को दूर करने की कोशिश की गई है।

उत्तर प्रदेश की 11 राज्यसभा सीट के लिए नामांकन की प्रक्रिया मंगलवार को शुरू हो गई और मतदान 10 जून को होगा। प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में सपा के 111 सदस्य हैं और वह तीन उम्मीदवारों को आसानी से राज्यसभा भेज सकती है। पार्टी ने फिलहाल सिब्बल को सपा समर्थित प्रत्याशी घोषित किया है। बाकी दो सीट पर अपने उम्मीदवारों के बारे में सपा ने अभी कोई खुलासा नहीं किया है।

बाजारों को विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ी सरकार

सरोजनी नगर और लाजपत नगर बाजार पहुंचे विशेषज्ञ समिति के सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के पांच बाजारों को चिह्नित करके पुनर्विकास योजना बनाने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति ने बुधवार को दौरा किया। पहले दिन समिति के सदस्य लाजपत नगर और सरोजनी नगर मार्केट पहुंचे, जहां उन्होंने व्यापारियों से पार्किंग की समस्या और बुनियादी सुविधाओं पर चर्चा की।

समिति के सदस्य बृजेश गोयल ने बताया, सोमवार को समिति की बैठक में तय हुआ कि बाजारों के चयन के लिए उसे नजदीक से समझना होगा। समिति के सदस्य करीब 20 बाजारों का दौरा करेंगे। हमने बुधवार को लाजपत नगर व सरोजनी नगर मार्केट का दौरा किया। इस दौरान स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट के प्रो. मनोज माथुर के अलावा प्रभजोत सिंह, शिल्पी शर्मा, विक्रम पाल समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। गोयल ने बताया कि व्यापारियों के सुझावों को बाजारों के चयन व उसके पुनर्विकास के दौरान ध्यान में रखा जाएगा।

बताते चलें कि समिति को पहले चरण में पांच बाजारों का चयन करना है। सरकार को कुल 50 बाजारों से आवेदन मिले हैं। माना जा रहा है कि इस माह के अंत तक सरकार पांच बाजारों के चयन प्रक्रिया को पूरी करके आगे चर्चा करेगी। समिति गुरुवार को कश्मीरी गेट और कमला नगर मार्केट का दौरा करेगी।

100 करोड़ का बजट : दिल्ली सरकार ने मौजूदा बजट को रोजगार बजट नाम दिया है। बजट में दिल्ली के पांच रिटेल मार्केट को विकसित करने की घोषणा की थी। उसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार का मानना है कि बाजारों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और व्यापार बढ़ाने से वहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

जेल से बाहर आते ही करने लगा वारदातें, पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। हम नहीं सुधरेगें! उत्तर पश्चिमी जिला की स्पेशल स्टॉफ पुलिस ने एक ऐसे कुख्यात बदमाश को गिरफतार किया। जिसने जेल से बाहर आकर दोबारा से वारदात करनी शुरू कर दी थी। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी के दोपहिया वाहन जब्त किये हैं। आरोपी पहले लूट और चोरी के सात मामलों में शामिल रहा है। आरोपी की पहचान अरूण कुमार उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते सोमवार को स्पेशल स्टॉफ में तैनात इंस्पेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में एसआई कुलदीप, एएसआई जितेंद्र हेड कांस्टेबल नरसी,सोमदत्त और मंजीत इलाके में प्राईवेट वाहनों में इलाके में गश्त कर रहे थे। पकड़े गए आरोपी अरूण कुमार उर्फ बिट्टू को स्कूटी पर संदिगध हालत में देखकर जब केला गोडम चौक, शालीमार बाग के पास रोकने की कोशिश की। आरोपी ने स्कूटी से भागने की कोशिश की। जिसका काफी दूरी तक पीछा करने के बाद उसे दबोच लिया। स्कूटी केशव पुरम इलाके से चोरी की थी।

राज्यसभा सचिवालय में संपादक नियुक्त हुए डॉ. गणेश

गौरव राय

मैनपुरी, युवा साहित्यकार डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव को भारतीय संसद के राज्यसभा सचिवालय में संपादक के प्रथम श्रेणी राजपत्रित पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार अपने वर्तमान कार्यालय से रिलीव होने के पश्चात शीघ्र ग्रहण करेंगे। डॉ. गणेश कुशल साहित्यकार एवं लेखक हैं। उनकी कविताएं 'आर पार' एवं 'कई रंग कई फूल' कविता संकलन में संगृहीत हैं। वे आजकल, लमही, उत्तर प्रदेश, गुफ्तगू, अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान, स्वतंत्र भारत इत्यादि जैसे कई प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। डॉ. गणेश के पिता श्री सुरेश चंद श्रीवास्तव सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं माता श्रीमती सरला देवी गृहणी हैं। उनकी नियुक्ति पर वरिष्ठ साहित्यकारों प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा, रविनंदन सिंह, शैलेंद्र जय , वरिष्ठ संपादक मुनेश्वर मिश्र सहित कई लेखकों एवं पत्रकारों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

मैनपुरी के डॉ गणेश राज्यसभा सचिवालय में संपादक नियुक्त

मैनपुरी के मूल निवासी डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव को भारतीय

संसद के राज्यसभा सचिवालय में संपादक के प्रथम श्रेणी राजपत्रित पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार अपने वर्तमान कार्यालय से रिलीव होने के पश्चात शीघ्र ग्रहण करेंगे। डॉ. गणेश कुशल साहित्यकार एवं लेखक हैं। उनकी कविताएं 'आर पार' एवं 'कई रंग कई फूल' कविता संकलन में संगृहीत हैं।

वे आजकल, लमही, उत्तर प्रदेश, गुफ्तगू, अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान, स्वतंत्र भारत इत्यादि जैसे कई प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। डॉ. गणेश के पिता श्री सुरेश चंद श्रीवास्तव सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं माता श्रीमती सरला देवी गृहणी हैं। उनकी नियुक्ति पर वरिष्ठ साहित्यकारों प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा, रविनंदन सिंह, शैलेंद्र जय , वरिष्ठ संपादक मुनेश्वर मिश्र सहित कई लेखकों एवं पत्रकारों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति से मिलकर बात रखेगा एआईएसपीएलबी

लखनऊ, एजेंसी। ऑल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएसपीएलबी) की आवश्यक बैठक सुल्तान-उल-मदारिस में हुई। बैठक में मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि ऐसी सूचनाएं आ रही हैं कि देश में यूनिफार्म सिविल कोड बन रहा है। आने वाले वक्त में उसे लागू किया जाएगा। इस संबंध में ऑल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड का एक प्रतिनिधि मण्डल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भेंट करके अपनी बात रखेगा।

मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि मुसलमान देश के कानून को मानते हैं और उस पर अमल करते है। ऐसे मामले जिनका ताल्लुक हमारे धार्मिक मामलात से हैं, जिनके हम पाबन्द हैं और देश के संविधान ने हमको उसकी इजाजत भी दी है। संविधान में कोई बदलाव देश के लिए मुनासिब नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बैठक में तमाम बिन्दुओं को रखना और इन बिन्दुओं को सभी के सामने रखना अलग महत्व रखना है। हिंदुस्तान एक ऐसा मुल्क है, जहां अगर सुबह अजान होती है तो हनुमान चालीसा, रामायण भी होती है। हमारे देश में गंगा जमुनी तहजीब ही हमारी पहचान है। लेकिन बीते कुछ वक्त से मुसलमानों के खिलाफ भय का माहौल बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह माहौल बनाना देश के लिए अच्छा नहीं हैं। मुसलमानों को शक की नजर से देखा जाना अच्छा नहीं है। हमारे धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ क्यों की जा रही है?

कानपुर मेट्रो निर्माण में आड़े आ रहे अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

- नगर निगम की जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए पक्के निमार्णों को जेसीबी से गिराया गया
- विरोध करने पर प्रशासनिक अफसरों ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की चेतावनी के बाद भीड़ पीछे हटी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर मेट्रो निर्माण में शहर का अतिक्रमण आड़े आ रहा है। ऐसे अतिक्रमण को चिहिन्त करते हुए नगर निगम ने जांच कर बुधवार को जूही इलाके में बड़ी कार्यवाही की है। अतिक्रमण दस्ते के साथ पहुंची भारी पुलिस बल ने अवैध निमार्णों को जमीदोज कर अतिक्रमण मुक्त कराया। जनपद में मेट्रो निर्माण कार्य तेजी से अपने दूसरे चरण का कार्य पूरा करने में प्रबंधन जुटा हुआ है। दूसरे चरण के मेट्रो कार्य में शहर के अतिक्रमणकारियों के अवैध निर्माण आड़े आ रहे हैं। इनको देखते हुए प्रशासन के साथ नगर निगम ने मेट्रो प्रबंधन के साथ चर्चा कर अवैध निर्माण को गिराए जाने का निर्णय लिया। नगर निगम ने जूही के ट्रांसपोर्ट नगर में ऐसे 24 से अधिक अवैध निमार्णों को चिहिन्त किया और आज उन्हें गिराए जाने की कार्यवाही शुरू की। भारी पुलिस बल के साथ नगर निगम का प्रवर्तन दस्ता ऐसे अवैध निमार्णाधीन भवनों को गिराने पहुंचा।

इस दौरान वहां रहने वालों को विरोध किया तो पुलिस बल व प्रशासनिक अफसरों ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की चेतावनी दी, जिसके बाद सभी पीछे हट गए। प्रवर्तन दस्ते के साथ आए कई बुलजोडरों ने एक साथ कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनाए गए कई मंजिला अतिक्रमण को जमीदोज कर दिया। इस कार्यवाही के दौरान मेट्रो प्रबंधन के अभियंता भी मौजूद रहें।

बता दें कि, मेट्रो निर्माण के दौरान आड़े रहे जूही इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण नगर निगम की जमीन पर बनाए गए थे। मामले की जानकारी मेट्रो निर्माण के दौरान हुई तो प्रबंधन ने अवैध तरीके से बनाए गए निर्माण को गिराने का निर्णय लिया। अफसरों के साथ पुलिस बल की टीम ने आज अवैध अतिक्रमण कर बने निमार्णों को गिराने की कार्यवाही पूरी की।

डीएम ने मुख्तार अंसारी के करीबी के तीन करोड़ 15 लाख की संपत्ति को कुर्क करने का दिया आदेश

मऊ, एजेंसी। मऊ में अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्तियों एवं इस कार्य में लगे लोगों के खिलाफ जिला प्रशासन दिन प्रतिदिन सख्ती करता जा रहा है। ऐसे में मऊ के पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी और उनके सहयोगियों के खिलाफ प्रशासन बिल्कुल कड़ा रुख अख्तियार कर रहा है इसी रुख के मद्देनजर मऊ जिला प्रशासन ने मुख्तार अंसारी के एक से सहयोगी के गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्तियों के खिलाफ कुर्क करने का आदेश दिया।

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मऊ जनपद के थाना-सराय लखंसी के सरवां गांव निवासी बैजनाथ यादव पुत्र खुद्दी यादव द्वारा अवैध रूप से अर्जित धन द्वारा ग्राम सरवां स्थित कुल तीन गाटा के रकबा 378 कड़ी, जिसका क्षेत्रफल लगभग 0.153 हेक्टेयर है, उस जमीन को कुर्क करने के आदेश जारी किए। इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग तीन करोड़ 15 लाख रुपए है। बैजनाथ यादव पुत्र खुदी यादव के खिलाफ थाना सराय लखंसी में विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

बैजनाथ यादव ने ग्राम सरवां स्थित आराजी संख्या 797 रकबा 58 कड़ी,आराजी संख्या 1449 रकबा 269 कड़ी एवं आराजी संख्या 1109 रकबा 53 कड़ी की जमीन अवैध रूप से कमाए गए धन से क्रय की थी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन के प्रयोग से निर्मित चल/अचल संपत्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने का कार्य किया जा रहा है। जनपद में ऐसे सभी लोगों का चिन्हीकरण का कार्य किया जा रहा है,जो अवैध कार्यों में लिप्त है एवं जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करने के पर्याप्त आधार मौजूद है एवं जिन्होंने अवैध तरीके से अर्जित धन से बड़ी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां खड़ी की है। ऐसे सभी लोगों के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही भी की जाएगी।

मेरठ में मकान मालिक ने सहकारी बैंक पर जड़ा ताला

मेरठ, एजेंसी। दौराला क्षेत्र के सकौती में बुधवार को किराए के विवाद में मकान मालिक ने जिला सहकारी बैंक की शाखा पर ताला जड़ दिया। बैंक पर ताला लगा देखकर ग्राहकों की भीड़ लग गई। मकान मालिक ने किराए की अवधि पूरी होने के बाद भी जगह खाली नहीं करने का आरोप लगाया। बैंक अधिकारियों के जल्दी ही दूसरी जगह बैंक शाखा स्थानांतरित करने के आश्वासन पर ताला खोल दिया गया।

सकौती निवासी करण पाल सिंह ने अपना मकान जिला सहकारी बैंक को किराए पर दिया हुआ है। उसने बताया कि लगभग 15 वर्ष पूर्व उसने अपना मकान सहकारी समिति बैंक को किराए पर दिया था। यह अवधि बीत जाने के बाद भी बैंक ने उसका मकान खाली नहीं किया। बाजार में रेलवे लाइन निर्माण के कारण उसकी दुकान टूट गई। अपना रोजगार करने के लिए अब उसे मकान की आवश्यकता है। इसके लिए वह बैंक अधिकारियों से जगह खाली करने के लिए कह रहा था, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसने जनसुनवाई पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। बैंक पर उसका साढ़े छह लाख रुपए से अधिक का किराया रुका हुआ है। अब नए एग्रीमेंट में बैंक ने किराया भी घटा दिया। जब बैंक ने किराया दिया तो केवल छह लाख रुपए दिए। बाकी 54 हजार रुपए टैक्स में काटने की बात कहकर नहीं दिए। बुधवार को मकान मालिक ने बैंक शाखा पर ताला लगा दिया।

मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने चयनित अभ्यर्थियों को दिया नियुक्ति-पत्र

लखनऊ, एजेंसी। व्यवसायिक शिक्षा व कौशल विकास विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने राजकीय आईटीआई में सहायक भंडारी के पद पर चयनित हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया और उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

लखनऊ के बांसमंडी चौराहे के निकट प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में प्रशिक्षण व सेवायोजन के गतिविधियों के अनुश्रवण के लिए बटन दबाकर विभागीय स्मार्ट डैश बोर्ड का शुभारंभ किया। इसके उपरांत मंत्री कपिलदेव ने सहायक भंडारी पद पर नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि आज नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी अपने अंदर विश्वास रखें। अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करें। नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को अपने अधीनस्थों तथा अधिकारियों से तालमेल बैठाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि आज जिन्हें भी नियुक्ति पत्र मिला है, उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं हैं। नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली हैं। आप की ईमानदारी ही आपके कार्य का प्रमाण होगी।

एसटीएफ का भय दिखा लूट खसोट कर रहे क्राइम ब्रांच कर्मी

कई अपराधियों के परिजनों ने की शिकायत, ऐसे कर्मी जल्द होंगे चिन्हित

कानपुर, एजेंसी। प्रदेश में अपराध को रोकने के लिए पुलिस के अलावा एसटीएफ और क्राइम ब्रांच काम कर रही है, लेकिन कानपुर में क्राइम ब्रांच के कुछ कर्मी अपने कार्य से हटकर इतर काम कर रहे हैं।

यह लोग अपने को एसटीएफ का कर्मी बता अपराधियों को पकड़ते हैं और बाद में छोड़ भी देते हैं। ऐसे में पूरी संभावना है कि रुपया लेकर ही छोड़ते होंगे। इसका खुलासा तब हुआ, जब पकड़े गये कई अपराधियों के परिजन एसटीएफ के दफ्तर पहुंचकर अपने व्यक्ति की जानकारी करने लगे। मामले को लेकर पुलिस कमिश्नर ने डीसीपी मुख्यालय को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है।

कानपुर क्राइम ब्रांच के कुछ कर्मी अपने को एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) बताकर अपराधियों को पकड़ रहे हैं। इससे अपराधियों में खौफ हो जाता है और परेशान हो जाते हैं। परेशान अपराधियों को अनजान जगह पर रखते हैं और फिर छोड़ देते हैं। इससे पुलिस के अधिकारी संभावना जता रहे हैं कि ऐसे कर्मी अपराधियों से वसूली करते होंगे तभी छोड़ देते हैं। एक दो नहीं, करीब दो दर्जन मामले सामने आए हैं, जिनमें ग्यारह मामलों को एसटीएफ ने चिन्हित कर रिकॉर्ड तैयार किया है। इस रिकॉर्ड को एसटीएफ ने जांच अधिकारी को सौंप दिया है।

एसटीएफ के सूत्र बताते हैं कि क्राइम ब्रांच के कुछ कर्मी अपराधियों को पकड़ते हैं और अपने को एसटीएफ बताते हैं, क्योंकि अपराधियों पर एसटीएफ का खौफ अधिक होता है। इसके बाद अपराधियों के परिजन दफ्तर आकर संपर्क करते हैं। अब तक जो 11 ऐसे मामले सामने आये हैं उनमें सभी अपराधी एक या दो दिन बाद छोड़ दिये गये हैं। इससे इस बात को पूरी तरह से बल मिलता है कि जो क्राइम ब्रांच के कर्मी इस कार्य में लिप्त हैं, वह अपराधियों से एसटीएफ का भय दिखाकर मोटी रकम वसूलते होंगे। इससे एसटीएफ बदनाम हो रही है।

पुलिस कमिश्नर ने बैठाई जांच

एसटीएफ के अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीना ने जांच बैठा दी है। जांच अधिकारी डीसीपी मुख्यालय संजीव त्यागी को बनाया गया है। शुरूआती जांच में सामने आया कि क्राइम ब्रांच में तैनात रहे दरोगा मोहम्मद आसिफ, हेड कांस्टेबल अमित चौधरी, सिपाही राजीव यादव और सिपाही फिरोज खुद को एसटीएफ का बता दबिश देते रहे हैं। कइयों को एसटीएफ बताकर छोड़ा और उनसे वसूली की। डीसीपी के मुताबिक बर्रा निवासी सफीकुर्रहमान को आसिफ ने गांजा के साथ पकड़ा था। खुद को एसटीएफ में बताया था। बाद में उसको छोड़ दिया था। इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। इन चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच एसीपी कैंट मृगांक शेखर पाठक को सौंपी गई है। इसके अलावा कुछ समय पहले आर्य नगर से एक बाजपेई नाम का शख्स उठाया गया था। कल्याणपुर में वाहन चोर भी पकड़े गये थे।

ज्वॉइंट सीपी का कहना

ज्वॉइंट पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। डीसीपी मुख्यालय मामले की जांच में जुटे हुए हैं। जांच में जो पुलिस कर्मी इस तरह के कार्य में संलिप्त होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑटो में अचानक लगी आग से ट्रैफिक हुआ जाम

आगरा, एजेंसी। आगरा-दिल्ली हाईवे पर अंजुमन होटल के सामने लोडिंग ऑटो में अचानक आग लगने से ट्रैफिक जाम हो गया। बाइक सवार की सूचना पर चालक ने ऑटो में लदी दो भैसों और खुद की जान बचायी। फायर ब्रिगेड की टीम ने समय पर पहुंच आग पर काबू पाया। बता दें कि, मामला आगरा-दिल्ली हाईवे पर स्थित एक होटल के सामने का है, जहां आज करीबन साढ़े 11 बजे गुजर रहे भैसों से लदे टाटा मैजिक के लोडिंग टैम्पो में अचानक आग लग गयी। बाइक सवार एक युवक की सूचना पर चालक ने ऑटो को रोक दिया। आनन फानन चालक ने ऑटो में लदी दोनों भैसों की जान बचाई। इसके बाद देखते ही देखते ऑटो में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया और होटल से आग बुझाने वाले पाइप को लाकर आग बुझाने की कोशिश की गयी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग पर काबू पाया। इस दौरान हाईवे के एक साइड का ट्रैफिक कुछ समय के लिए पूरी तरह थम गया।

एसयूवी-ट्रक की टक्कर में 4 लोगों की मौत

बाराबंकी (यूपी), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बुधवार सुबह एक एसयूवी और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। चार लोगों के अलावा, इस हादसे में दो भेड़ों की भी मौत होने की खबर सामने सामने आ रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शव निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयोध्या से लखनऊ जा रहे एसयूवी के ड्राइवर को नींद आ गई, तभी सड़क पर दो भेड़ें दिखाई दीं। उन भेड़ों को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने जैसे ही स्टीयरिंग को घुमाया, गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई और फिर दूसरी दिशा से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि मृतक लखनऊ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान हैदर अली, शफीक, आमिर और अनीस के रूप में हुई है, जबकि ट्रक चालक फरार है।

गुटखा विक्रेताओं के ठिकानों पर वाणिज्य कर विभाग ने मारा छापा

आगरा, एजेंसी। आगरा में बड़े-बड़े ब्रांड्स के गुटखा विक्रेताओं के ठिकानों पर वाणिज्य कर विभाग की टीम ने छापा मारा है। वाणिज्य कर विभाग की टीम द्वारा कागजातों की जांच के साथ-साथ विक्रेताओं से पूछताछ की जा रही है। वाणिज्य कर विभाग की टीम को गुटखा विक्रेताओं के ठिकानों से बड़े राजस्व प्राप्ति की उम्मीद है। आगरा में आज वाणिज्य कर विभाग की टीम ने गोल्ड मोहर गुटखा सहित विमल और राजश्री पान मसाला विक्रेताओं के करीबन 22 ठिकानों पर छापा मारा है। टीम के द्वारा यहां कागजातों की जांच समेत लेन-देन किये गए माल की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। वाणिज्य कर विभाग की टीम ने इन ठिकानों के मालिकों से भी पूछताछ की है। टीम को इन ठिकानों से बड़े राजस्व प्राप्ति की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, टीम ने जांच के दौरान सभी कर्मचारियों के फोन और लैपटॉप इत्यादि भी जमा कर लिए ताकि किसी भी प्रकार की जानकारी बाहर तक न जा सके। दरअसल, वाणिज्य कर विभाग की टीम को कम टर्नओवर दिखाए दिखाए जाने जैसी शिकायतें मिली थी जिसके बाद टीम को इन विक्रेताओं के खिलाफ छापेमारी का कदम उठाना पड़ा।

औरैया में अज्ञात वाहन चपेट में आकर युवक की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के बिधूना क्षेत्र में बहन के यहां शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर वापस आ रहे युवक की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे युवक की मौके पर हो गयी जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है।

पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कस्बा बिधूना के मोहल्ला तिलकनगर निवासी इदरीश (38) चंदरपुर तिराहे पर किराना की दुकान किए था। वह मंगलवार की शाम को इन्दपामऊ निवासी जुबैद को साथ लेकर मोटरसाइकिल से अपनी बहन की ससुराल मैनपुरी शादी समारोह में शामिल होने गया था। जहां से वह रात्रि करीब 2 बजे घर वापस आ रहा था। वह बिधूना ऐरवाकटरा मार्ग पर साहसपुर मोड़ के समीप पहुंचा ही था कि तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिधूना पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने इदरीश को मृत घोषित कर दिया। जबकि प्राथमिक उपचार के बाद जुबैद को रिम्स सैंफई के लिए रेफर कर दिया।

आगरा में गुटखा कारोबारियों पर एसजीएसटी के छापे

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में राज्य जीएसटी विभाग द्वारा गोल्ड मोहर गुटखा बनाने वाली कंपनी सरीन एंड सरीन के आधा दर्जन ठिकानों सहित विमल और राजश्री पान मसाला विक्रेताओं के करीब 22 ठिकानों पर बुधवार को छापे मारे गये। सूत्रों के अनुसार शहर में फ्रीगंज स्थित गोदाम के अलावा देहात में अछनेरा, रायभा, पिनाहट में इन गुटखा कारोबारियों के गोदामों और खुदरा बिक्रेता दुकानों पर छापे मारे गये हैं। इससे वहां हड़कंप मच गया। कई दुकानदार दुकान बंद कर भाग गये। टीम ने कुछ किराना स्टोर पर कार्रवाई की और कागजों को देखा। शहर में जब टीम ने गोल्ड मोहर गुटखा की फैक्ट्री और गोदाम में छापेमारी की तो आसपास के बाजारों और कारखानों में हड़कंप मच गया। दुकानदार शटर बंद कर भाग गये। जांच टीमें सभी जगह कागजात, माल और लेनदेन की जांच के साथ कंपनियों के मालिकों से पूछताछ में जुटी हुई हैं। विभाग को इन छापों में बड़े राजस्व प्राप्ति की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि करा चोरी और कम टर्नओवर दिखाने जैसी शिकायतों के चलते सभी पान मसाला विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

अय्याश पति की सुपारी देकर कराई हत्या

सुषमा रानी

नई दिल्ली। पति ने प्रेम जाल में फंसाकर शादी की तो पता चला कि वह पहले से ही शादी शुदा है। फिर पता चला कि उसके कई महिलाओं से संबंध हैं।जब अय्याश पति ने छोटी बहन पर भी बुरी नजर डाली तो पत्नी ने एक खतरनाक कदम उठा लिया। पत्नी ने अपने ही पति की डेढ लाख रुपये की फिरौती देकर हिस्ट्रीशीटर से हत्या करवा दी। पुलिस को गुमराह करने के लिये आरोपी महिला ने घर का सामान बिखेरकर लूट की झूठी कहानी बना दी।

पुलिस ने वारदात में शामिल पत्नी और कंट्रेक्ट किलर को गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान वीर बाजार रोड, दीप एन्क्लेव, विकास नगर की रहने वाली चंद्रकला उर्फ चंदा और जुम्मन उर्फ जुम्मा के रूप में हुई है। जुम्मन उर्फ जुम्मा ने तीस हजारी कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा और कॉंट्रेक्ट किलिंग के लिये दिये गए पचास हजार रुपये बरामद किये हैं। आरोपी जुम्मन उर्फ जुम्मा रनहौला को हिस्ट्रीशीटर हे।

जिला पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने बताया कि बीते 18 मई को रनहौला पुलिस को वीर बाजार रोड होली कॉन्वेंट स्कूल दीप एंक्लेव के पास घर में घुसकर एक व्यक्ति की हत्या और लूट की पीसीआर कॉल मिली थी। एसआई मनीष कुमार और कांस्टेबल सतीश तुरंत मौके पर पहुंची। कॉलर ने बताया कि उसने दूसरी मंजिल पर कुछ संदिगध आवाज सुनी थी। जब वह मौके पर पहुंचा,कमरे में बिस्तर पर खून से लथपथ हालत में शव पड़ा हुआ था।

शव की पहचान वीर बहादुर वर्मा के रूप में हुई। एसएचओ के निर्देशन में एसआई अमित राठी, एसआई मनीष, एसआई नरेंद्र, हेड कांस्टेबल अजीत, कांस्टेबल सुरेश,अशोक और विवेक को आरोपियों को पकडड्ने का जिम्मा सौंपा गया। शुरूआती जांच में पता चला कि वीर बहादुर और उनकी पत्नी के बीच पारिवारिक कलह के कारण झगड़ा होता रहता था। पत्नी से पूछताछ की गई। उसके हर बार बयानों में विरोधाभास सुनाई दिया। फिर भी उसने बताया कि वारदात के वक्त कुछ लुटेरे उसके घर में जबरन घुसे और उसके पति के साथ मारपीट कर गहने और नकदी लूटकर फरार हो गए।

पुलिस ने वारदात के आसपास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। जिसमें एक फुटेज में हिस्ट्रीशीटर जुम्मन उर्फ जुम्मा वहां पर घुमते हुए दिखाई दिया। दूसरी तरफ मृतक की पत्नी के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल को खंगाला शुरू किया। जिसमें पता चला कि वह वारदात वाले दिन और उससे पहले कई बार जुम्मन से बात कर चुकी थी। दोनों पर निगाह रखनी शुरू कर दी। स्थानीय लोगों से पता चला कि मृतक की दो पत्नियां थीं और यही मृतक और उसकी पत्नी के बीच विवाद का कारण था।

अब जब महिला चन्द्रकला से जुम्मन से फोन पर बातचीत करने का कारण पूछा। उसने हत्या की बात बताई। जुम्मन को भी इलाके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उससे वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा भी जब्त कर लिया।

एसयूपी चीजों के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार एक जून से साप्ताहिक मेले लगाएगी : राय

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार एकल उपयोग वाले प्लास्टिक (एसयूपी) की चीजों के स्थानों पर विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए एक जून से साप्ताहिक मेले का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली स्टार्ट-अप नीति के तहत एसयूपी चीजों के विकल्पों के उत्पादन में लगी इकाइयों को प्रोत्साहन राशि भी देगी। इस नीति का लक्ष्य सफल कारोबार खड़ा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर राष्ट्रीय राजधानी में उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

राय ने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को एसयूपी चीजें बेचने वाली दुकानों की एक सूची तैयार करने को कहा गया है ताकि उन्हें उसके विकल्पों का विनिर्माण करने वाली इकाइयों से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा, एक जुलाई से एसयूपी चीजों पर पाबंदी प्रभाव में आने के बाद ऐसे उत्पादों के श्रमिकों, आपूर्तिकताओं, विनिमार्ताओं एवं विक्रेताओं के सामने नई चुनौती होगी। उन्होंने कहा, दूसरी बात, एसयूपी चीजें बड़े पैमाने पर बेची जा रही हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हमने संबंधित विभागों के साथ एक बैठक में बाजार में उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा की। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि एसयूपी के विकल्पों का निर्माण कर रहे स्टार्ट-अप एवं स्वयं-सहायता समूहों ने दिल्ली सचिवालय में 17 स्टॉलों पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

पिछले साल अगस्त में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर पॉलीस्टिरीन एवं विस्तारित पॉलीस्टिरीन समेत चिह्नित एकल उपयोग प्लास्टिक उत्पादों के विनिर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री एवं उपयोग पर एक जुलाई, 2022 से रोक लगाने की अधिसूचना जारी की थी। इन चिह्नित एकल उपयोग प्लास्टिक उत्पादों में ईयरबड, गुब्बारे की प्लास्टिक छड़ी, आईसक्रीम छड़ी, पॉलीस्टिरीन (थमोकॉल), प्लेट, कप, ग्लास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, मिठाई के डिब्बों पर लपटी जाने वाली पैकेजिंग फिल्म, निमंत्रण पत्र, सिगरेट के पैकेट, 100 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक या पीवीसी बैनर आदि शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सवा तीन करोड़ पौधे लगाए जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली-एनसीआर में मानसून के दौरान पौधरोपण पर जोर दिया जाएगा। इस बार लगभग सवा तीन करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक, इस बार एनसीआर के शहरों में 17 फीसदी अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। जबकि, दिल्ली में पहले ही 21 फीसदी अधिक पौधरोपण का लक्ष्य है। दिल्ली-एनसीआर बेहद सघन आबादी वाला क्षेत्र है। यहीं बड़ी तादाद में वाहनों की संख्या है। साथ ही सर्वाधिक निर्माण कार्य भी हो रहे हैं। पूरे क्षेत्र में जाड़े के समय में प्रदूषण की स्थिति खराब हो जाती है। इस दौरान स्कूल और शिक्षण संस्थाएं बंद करने और निर्माण कार्यों पर पाबंदी लगाने जैसे निर्णय लेने पड़ते हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली-एनसीआर में अन्य कदम तो उठाए ही जा रहे हैं। साथ ही पूरे इलाके में सघन पौधरोपण पर भी जोर दिया जा रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक, इस बार एनसीआर के शहरों में पिछले साल की तुलना में 17 फीसदी अधिक पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक एनसीआर के शहरों में इस बार दो करोड़ 90 लाख 87 हजार 55 पौधे लगाए जाएंगे।

आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार का दिल्ली मॉडल

सत्ता प्राप्ति के तीन महीने के अंदर स्वास्थ्य मंत्री रिश्वत लेते पकड़े गए पंजाब में- चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के स्वास्थ मंत्री द्वारा कमीशन खोरी में रिश्वत लेते हुए पकड़े जाना अरविन्द केजरीवाल के दिल्ली मॉडल की भ्रष्ट नीति का जीता जागता एक और उदाहरण देश के सामने आया है, जबकि पंजाब में आम आम आदमी पार्टी का एक विधायक पहले अपराधिक मामले में तीन वर्ष की सजा हुई। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार का खेल दिल्ली से लेकर पंजाब तक फलफूल रहा है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार और प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए क्रांतिकारी आंदोलन चलाकर भ्रष्टाचारमुक्त वातारण व्यवस्थित करने वाले अरविन्द केजरीवाल की भ्रष्ट नीतियों के कारण सभी संगठनात्मक सदस्य उनका साथ छोड़ चुके है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के बाद अरविन्द केजरीवाल ने यह घोषणा की थी कि वे दिल्ली में विधायको के रुप में कोहिनूर चुन-चुन कर लाए है परंतु यह सभी दिल्लीवासी जानते है कि उनके कोहिनूर हीरे एक-एक करके भ्रष्टाचार की भेट चढ गए और केजरीवाल का आधा मंत्रीमंडल और 80 प्रतिशत विधायक भ्रष्टाचार के चलते अपराधिक मामलें लिप्त है। आप पार्टी के अनेक निगम पार्षद स्टिंग ऑपरेशन में भ्रष्टाचार में खुलेआम लिप्त पाए गए मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र के वार्ड से निगम पार्षद को सीबीआई द्वारा पकड़ा गया। चौ0 अनिल कुमार ने मांग की केजरीवाल पंजाब में स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त करने की तर्ज पर दिल्ली के भ्रष्टाचार में लिप्त मंत्रीगणों, विधायकों तुरंत प्रभाव से बर्खास्त करे तथा रिश्वत लेते पकड़े गए नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्त दिखाएं।

संक्षिप्त समाचार

उपराज्यपाल के शपथ लेने से पहले एमसीडी के नवनियुक्त कमिश्नर ने की मुलाकात

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली के नवनियुक्त उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना 26 मई, सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण करेंगे. राजनिवास में सादा समारोह आयोजित कर उनको नए उप-राज्यपाल के रूप में शपथ दिलाई जाएगी. इससे पहले उनसे शिष्टाचार भेंट करने वालों का सिलसिला भी लगातार जारी है. दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर ज्ञानेश भारती ने नवनियुक्त एलजी विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की. और उनको शुभकामनाएं दीं. कमिश्नर ज्ञानेश भारती ने नवनियुक्त एलजी विनय सक्सेना को दिल्ली नगर निगम के एकीकरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी है. वहीं, दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने संबंधी निगम की कार्य योजना से भी अवगत कराया है. कमिश्नर भारती ने कहा कि एमसीडी उप-राज्यपाल के सुझावों एवं मार्गदर्शन में कार्य करते हुए दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगी. उन्होंने बताया कि कोरोना एवं विकट आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद भी निगम ने दिल्ली के नागरिकों की सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी. इतना ही नहीं आगे चलकर भी दिल्ली नगर निगम निरंतर नागरिकों की सुविधा के लिए तत्पर है. राज्यपाल 26 मई को सुबह 11 बजे शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण समारोह राजनिवास में आयोजित किया जाएगा. इस बात की पुष्टि खुद राजनिवास कार्यालय की ओर से की गई है.

स्कूलों को छात्रों की सुरक्षा के बारे में हर माह रिपोर्ट देनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के संबंध में शिक्षा निदेशालय ने सख्त कदम उठाया है। स्कूलों को हर माह सुरक्षा को लेकर रिपोर्ट देनी होगी। यह निर्देश सभी निजी, सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू होंगे। इसको लेकर शिक्षा निदेशालय ने परिपत्र भी जारी किया है। परिपत्र के अनुसार निदेशालय समय-समय पर सुरक्षा की स्थिति को लेकर समीक्षा करता है। स्कूल में छात्रों की सुरक्षा हमेशा प्राथमिक चिंता रही है। स्कूल में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर कई कदम उठाए गए है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इस संबंध में पहले भी कई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्कूल सुरक्षा को लेकर हर माह बिना किसी देरी के ऑनलाइन जानकारी भेजें। अगर स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के संबंध में कोई खामी या समस्या है तो उसे बिना देरी के तुरंत ठीक किया जाए। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में सुरक्षा मुहैया कराने वाले एजेंसी के अनुबंध के विस्तार को लेकर भी निदेशालय ने आदेश जारी किया है। वहीं स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने को लेकर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की आवश्यकता को लेकर भी निदेशालय ने पूर्व में एक परिपत्र जारी किया था।

एनएसडी की बच्चों के लिए कार्यशाला प्रारंभ, 26 जून तक चलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की प्रमुख शाखा संस्कार रंग टोली की ओर से आठ से 16 वर्ष तक के आयु समूह के बच्चों के लिए बुधवार से ग्रीष्मकालीन कार्यशाला शुरू की गई। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक प्रो. डॉक्टर रमेश चंद्र गौड़ ने बताया कि कोविड महामारी के कारण यह आयोजन दो वर्षों से ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया गया। इस वर्ष हमारे प्रशिक्षक बच्चों को आमने-सामने प्रशिक्षण देंगे। ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 26 जून तक दिल्ली एवं एनसीआर के नौ स्थानों पर आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के 20 समूहों में लगभग 600 बच्चे भागीदारी कर रहे हैं, जिसका संचालन लगभग 50 विशेषज्ञों एवं सहायकों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सामाजिक एकजुटता लाना है।

आरटीआई के तहत निर्धारित शुल्क लेने की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालय ने गुरुगोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय को आरटीआई नियम 2012 के तहत निर्धारित शुल्क लेकर छात्रों को उत्तर पुस्तिका की प्रमाणित प्रति मुहैया कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। कानून की पढ़ाई कर रहे दो छात्रों ने यह याचिका दाखिल की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि हमने इस मुद्दे की जांच नहीं की है कि क्या विश्वविद्यालय द्वारा प्रति उत्तर पुस्तिका की प्रमाणित प्रति देने के लिए निर्धारित 1500 रुपये का शुल्क अत्यधिक है या फिर यह सूचना प्राप्त करने के अधिकार के लिए बनाए गए कानून के मकसद को पराजित कर सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता द्वारा इसके नियमों के तहत उक्त

नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया में एमसीडी का पीला पंजा चला

सुषमा रानी

नई दिल्ली। एमसीडी का पीला पंजा लगातार अवैध निर्माण पर कहर ढाह रहा है।नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया फेज 1 में आज सुबह दिल्ली एमसीडी द्वारा बुलडोजर चलाकर अवैध निमार्णो पर कार्रवाई की गई. यहां सड़क के किनारे लगी कई सारी झुग्गी झोपड़ी और दुकानों पर एमसीडी का बुलडोजर चला है.

एमसीडी द्वारा की गई इस कार्रवाई के विरोध में आम आदमी पार्टी नेता दुर्गेश पाठक नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया फेज 1 पहुंचे. आम आदमी पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने आरोप लगाया कि "यहां लोगों की पिछले 15 से 45 साल से दुकानें लगी हुई है एमसीडी 1 मिनट भी नहीं लगाया, ना ही इन लोगों को कोई नोटिस दिया गया, बिना बताए सब कुछ तोड़ फोड़ दिया. भारतीय जनता पार्टी बहुत गलत कर रही है पूरी दिल्ली के अंदर यह लोगों के घरों को तोड़ रहे हैं.

दिल्ली एमसीडी के अवैध निर्माण के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के दावे पर सवाल खड़े करते हुए दुर्गेश पाठक कहते हैं अगर 35 साल से कोई दुकान लगी है तो अवैध कैसे हो सकती है आप 18 साल से एमसीडी में है तो आपने यह अवैध काम होने कैसे दिया यहां 35 साल से अगर कोई दुकान है तो वह अवैध कैसे हो सकती है.

टूटी दुकानों के पुनर्वास में मदद करेगी आप दुर्गेश पाठक का कहना है कि इन लोगों जिनकी दुकानों पर कार्रवाई हुई है उनके पुनर्वास में जो भी मदद होगी वह आम आदमी पार्टी करेगी और इस एंटी एंक्रोचमेंट ड्राइव का आम आदमी पार्टी विरोध करती है. इस ड्राइव से पूरी की पूरी दिल्ली खराब हो जाएगी

मोती बाग से मायापुरी के बीच बन रहा दिल्ली का सबसे बड़ा सैंपल स्ट्रेच

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के लोगों को जल्द ही दिल्ली का सबसे बड़ा सैंपल स्ट्रेच मिलने वाला है। रिंग रोड पर मोती बाग से मायापुरी के बीच बनाए जा रहे इस सैंपल माडल रोड पर साइकिल ट्रैक, पार्क, फव्वारा, जनसुविधा, ओपन रेस्त्रां, ओपन थिएटर, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ईवी बैट्री स्वाइपिंग स्टेशन, इनफारमेंशन कियोस्क, सेल्फी प्वाइंट, वाटर एटीएम, मिनी प्लाजा, ले-बाइ, छोटे-छोटे पार्क बनाए जा रहे हैं। ग्रेनाइट पत्थर से दीवारों को संवारा जा रहा है। डिजाइनर एलईडी लैंप व बेंच के साथ ही रंग-बिरंगी टाइलें भी लगाई जा रही हैं। पीडब्ल्यूडी के स्ट्रीट स्केपिंग डिपार्टमेंट की ओर से बनाए जा रहे इस 8.6 किलोमीटर के सैंपल माडल रोड पर बैठने के लिए पत्थर के बेंच, डिजाइनर लाइटें, फव्वारा आदि लगाए जा रहे हैं। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि रिंग रोड पर दोनों ओर अलग-अलग हिस्सों में काम चल रहा है। जिन-जिन हिस्सों का काम पूरा होता जाएगा, उसे लोगों के इस्तेमाल कि लिए खोलते जाएंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 80 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

एनकाउंटर में पुलिस ने कुख्यात बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। जितेंद्र गोगी-दीपक बॉक्सर गिरोह के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश और दिल्ली के पुलिस बल द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान यहां एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संदीप उर्फ बस्सी को बाहरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र से पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया मुठभेड़ के दौरान संदीप के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने बताया पिछले साल रोहिणी अदालत के अंदर गोलीबारी के दौरान जितेंद्र गोगी के मारे जाने के बाद दीपक बॉक्सर गिरोह का प्रमुख बन गया। उन्होंने कहा कि संदीप और उसके सहयोगी बॉक्सर के निर्देश पर दिल्ली में आपराधिक गतिविधियों और हत्याओं को अंजाम देते थे। संदीप दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड में हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, वाहन चोरी, हमला और पुलिस पर गोलीबारी सहित छह मामलों में वांछित था।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से पांच बार गोलीबारी की गई, जिसमें तीन बार आरोपियों ने और दो बार पुलिस बल ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) जसमीत सिंह ने बताया कि उप्र के विशेष कार्य बल (मेरठ) के साथ एक संयुक्त अभियान में दीपक बॉक्सर-गोगी गिरोह के एक सदस्य संदीप को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया।

वायु सेना अध्यक्ष ने सिक्स सिग्मा को किया सम्मानित

अब वायुसेना के स्पेशल फोर्सेज गरुड़ कमांडोज देंगे सिक्स सिग्मा को हेलिकॉप्टर द्वारा स्लिदरिंग व रैपलिंग का कठिन प्रशिक्षण!

एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर के कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रदीप भारद्वाज व उनकी टीम को वायुसेना मुख्यालय में बुला कर विशेष मुलाकात की और उन्हें सम्मानित भी किया। दोनों के बीच आपसी संबंधों को सुदृढ़ बनाने पर भी बातचीत हुई। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने विशेष मुलाकात के दौरान सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर के सीईओ डॉ. भारद्वाज को स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित भी किया।

वायु सेना अध्यक्ष ने सिक्स सिग्मा हाई ऑल्टीट्यूड मेडिकल सर्विस टीम के कार्यों को सराहा और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा हाई ऑल्टीट्यूड मेडिकल सर्विस इसी प्रकार से बढ़-चढ़कर पहाड़ी क्षेत्रों में कार्य करती रहे। सिक्स सिग्मा के वीर-वीरांगनाओं ने देश के प्रति असाधारण साहस, बहादुरी, जुनून, समर्पित सेवा भाव और प्रतिबद्धता प्रदर्शित की ! हिमालय की ऊंची चोटियों पर निस्वार्थ रूप से किसी भी वर्ग, पंथ,नेता, धर्म या जाति इत्यादि की परवाह किए बिना उच्च शिखरों पर जोखिमों भरी स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं !

डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने भी एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को आइस ऐक्स व स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान सिक्स सिग्मा हाई ऑल्टीट्यूड मेडिकल सर्विस की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. अनीता भारद्वाज, स्टार इमिजिंग के डा० समीर भाटी और श्री आशीष शर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर वायु सेना अध्यक्ष ने सिक्स सिग्मा सिक्स सिग्मा को मुख्य तौर से बाधा क्रॉसिंग ड्रिल, वॉल क्लाइम्बिंग, स्लाइथरिंग, रैपलिंग का प्रशिक्षण देने हेतु आमंत्रित किया। आपको बता दें की कमांडो ट्रेनिंग में इन्हें उफनती नदियों और आग से गुजरना, बिना सहारे पहाड़ पर चढ़ना पड़ता है। भारी बोझ के साथ कई किलोमीटर की दौड़ और घने जंगलों में रात गुजारनी पड़ती है।

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और केयर ऑनको बायोटेक के बीच हुआ करार

- अब ब्लड के जरिए कम वक्त में शुरूआती स्तर पर कैंसर की होगी पहचान, अनुमानित कीमत 8000-10000 रु
- 5 साल में 15000 कैंसर मरीजों का होगा TEP Scan™ टेस्ट
- इस समझौते में दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान की एचओडी ऑन्कोलॉजी डॉक्टर प्रज्ञा शुक्ला का अहम योगदान

गौरव राय

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और केयर ऑनको बायोटेक ने आज एक साझा करार किया। इस MoU के तहत योजना है कि अगले 5 साल में 15000 कैंसर मरीजों का TEP Scan™ टेस्ट किया जाएगा। ब्लड के जरिए कैंसर का पता लगाने वाला TEP Scan™ जेनोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित है। साथ ही इस विश्वसनीय टेस्ट से बहुत कम कीमत और वक्त में किसी को कैंसर है या नहीं इसकी जानकारी मिल सकेगी। TEP Scan™ तकनीक के जरिए न केवल शुरूआती स्टेज पर ही कैंसर की जानकारी मिल सकती है। बल्कि मरीज के चल रहे कैंसर के उपचार की प्रभावशीलता की भी जानकारी मिलेगी। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के निदेशक डॉक्टर किशोर सिंह ने कहा कि मुझे ये कहते हुए काफी खुशी हो रही है कि TEP Scan™ को भारतीय वैज्ञानिकों ने तैयार किया है और हमने इस पद्धति के लिए केयर ऑनको बायोटेक से करार किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान TEP Scan™ टेस्ट को सत्यापित करने में मदद करेगा।

जिससे इसकी एक्यूरेसी की जानकारी लग सके। कम पैसे, कम वक्त और आसानी से उन लैब में भी इस टेस्ट को इस्तेमाल में लाया जा सकता है जहां संसाधन कम हैं। वहीं, केयर ऑनको बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक निदेशक रूपा मित्रा ने बताया कि हमारी कोशिश है कि लोगों को सही वक्त पर बीमारी की जानकारी हो जिससे इलाज में देरी न हो। शुरूआती स्तर पर कैंसर की पहचान से उसके निदान की संभावना काफी बढ़ जाती है। हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान से हाथ मिलाने की वजह से काफी फायदा होगा। आईआईआईटी दिल्ली के कंप्यूटेशनल बायोलॉजी और कंप्यूटर साइंस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और केयर ऑनको बायोटेक के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉक्टर देबारका सेन गुप्ता ने कहा " इस टेस्ट की खोज की बाद मुझे काफी गर्व हो रहा है कि हमने इसको सत्यापित करने को लेकर दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान से हाथ मिलाया है। अलग अलग तरह के कैंसर से पीड़ित 15000 मरीजों के टेस्ट सैंपल के दम पर हमारे पास एक पुख्ता डेटा आयेगा जिससे कि आने वाले वक्त में लिक्विड बायोप्सी पर आधारित कैंसर की स्क्रीनिंग में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा।"

संपादकीय

चीन पर चार निगाहें

क्वाड मंच पर शीर्ष नेताओं के विमर्श और अमरीका के 'इंडो-पेसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क' के दो मायने तय हैं। एक तो चीन पर चार मित्र-देशों की निरंतर निगाहें और दूसरा चारों देशों के बीच आपसी आर्थिक सहयोग। भारत भी इस फ्रेमवर्क का पक्षधर है, यह प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है। भारत का इससे जुड़ना तय है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के साथ-साथ इसके आर्थिक आयामों पर भी भारत अमरीका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ विमर्श करता रहा है और इस बैठक में भी करेगा। क्वाड के मंच पर अमरीकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा मौजूद हैं। चूंकि ऑस्ट्रेलिया में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है और एंथनी अल्बनीस नए प्रधानमंत्री चुने गए हैं। वह क्वाड बैठक के बाद ऑस्ट्रेलिया के हिस्से का कार्यक्रम तय करेंगे, लेकिन वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक फ्रेमवर्क के प्रयास का आगाज जरूर करेंगे। क्वाड एशिया और उसके बाहर की दुनिया का एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक मंच है। बुनियादी सहमति यह है कि हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की नौसैनिक और कारोबारी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए और चीन की सक्रियता को समझा जाए। चीन हिंद महासागर, प्रशांत महासागर और साऊथ चाइना सागर में अपना वर्चस्व कायम करने की रणनीतियां बनाता रहा है, कोशिशें भी जारी रखी हैं।

उस वर्चस्व को तोड़ने में अमरीका के साथ भारत और जापान सरीखी एशियाई ताकतों का समर्थन है। ऑस्ट्रेलिया कुछ बाद में क्वाड के साथ जुड़ा था। क्वाड ने समुद्री निगरानी तंत्र की शुरूआत टोक्यो बैठक में ही की है। इस प्रयास के तहत भारत, सिंगापुर और प्रशांत महासागर में मौजूद निगरानी-केंद्रों को सेटेलाइट से जोड़ा जाएगा। इससे दक्षिण-पूर्वी एशिया, हिंद महासागर और दक्षिणी प्रशांत तक चीन की अवैध गतिविधियों को ट्रैक किया जा सकेगा और चीन की समुद्री रणनीति को समझा जाएगा। दरअसल जब टोक्यो में क्वाड के चारों देशों के शीर्षस्थ नेताओं की बैठक हुई है, तब रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन माह बीत चुके हैं। इस पर भी नेताओं ने चर्चा की होगी, क्योंकि युद्ध ने पूरी दुनिया को किसी न किसी तरह प्रभावित किया है। यह कालखंड ही युद्ध का लगता है, क्योंकि चीन ताइवान पर हमला करने के संकेत देता रहा है। उसके लड़ाकू विमानों ने जबरन और अवैध तरीके से ताइवान के वायु-क्षेत्र में घुसने की कोशिशें भी की हैं। चीन के हजारों सैनिक एक लंबे अंतराल से भारत के लद्दाख वाली एलएसी पर तैनात हैं। कुछ अतिक्रमण और अवैध निर्माण भी किए गए हैं। यदि भविष्य में चीन के साथ युद्ध की नौबत आती है, तो उसकी रणनीति तैयार होनी चाहिए। उस संदर्भ में क्वाड की यह बैठक बेहद महत्त्वपूर्ण है।

चीन भी आसान शत्रु नहीं है। क्वाड में रणनीतियां तय की गई हैं, सेटेलाइट से निगरानी का जाल बुना गया है, तो ऐसा नहीं है कि चीन तकनीकी स्तर पर कमजोर देश है। अंतरिक्ष में उसकी सक्रियता और उसका विस्तार भी काफी है। चीन ने हाल ही में कुछ विध्वंसक मिसाइल सिस्टम का प्रदर्शन किया था। वह सिस्टम किसी भी देश की ताकत को भस्म कर सकता है, चीन का यह दावा है। युद्ध और अन्य रणनीतियों के मद्देनजर चीन और रूस एक ही पाले में हैं। बेशक चीन क्वाड की बैठक से बौखला सकता है, लेकिन पराजय की चिंता वाली स्थिति में वह नहीं है। अमरीका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिकारों को इसकी गहरी समझ होगी, लिहाजा क्वाड की बैठक महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है। क्वाड देशों के नेताओं को आपसी द्विपक्षीय संवाद का मौका भी मिलेगा, जाहिर है कि ऐसे विषयों पर भी बातचीत होगी। सहयोग, कारोबार, अर्थव्यवस्था, वैश्विक हालात और आपसी सांस्कृतिक संबंधों पर भी बातचीत होगी। प्रधानमंत्री मोदी टोक्यो में 36 कंपनियों के सीईओ से बातचीत कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वह दोनों देशों के औद्योगिक संबंधों को विस्तार देना चाहते हैं। क्वाड घोषणा पर भी दुनिया और खासकर चीन की निगाहें लगी होंगी, लिहाजा उसकी प्रतीक्षा की जानी चाहिए। युद्ध-काल में क्वाड की रणनीति का विश्लेषण बहुत जरूरी है।

एंथनी का चीन प्रेम

-सिद्धार्थ शंकर-

आस्ट्रलिया के पीएम स्कॉट मॉरिसन को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। यहां हुए आम चुनावों में लिबरल पार्टी की हार हुई है। लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बानीस देश के अगले पीएम होंगे। वैसे तो यहां 6 दावेदार प्रधानमंत्री पद की रेस में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला मॉरिसन के गठबंधन और लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बानीस के बीच माना जा रहा था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन को पिछले चुनावों में भी बहुमत नहीं मिला था, उन्होंने छोटी पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। जापान में होने जा रहे क्वॉड देशों के शिखर सम्मेलन को देखते हुए स्कॉट मॉरिसन ने तत्काल अपनी हार को स्वीकार भी कर लिया। मॉरिसन की हार के बाद अब विपक्षी नेता एंथनी अल्बानीस प्रधानमंत्री बनेंगे। लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बानीस के बारे में कहा जाता है कि वह चीन के साथ ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को संतुलित कर सकते हैं जो स्कॉट मॉरिशन के कार्यकाल में रसातल में चले गए थे। अल्बानीस के नेतृत्व में लेबर पार्टी की सरकार बनने पर पेन्नी वोंग विदेश मंत्री बन सकती हैं जो चीन-मलेशियाई मूल की हैं और फर्राटे से चीनी भाषा बोलती हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि चीन के साथ रिश्तों को संतुलित किया जाएगा जो मॉरिसन के कार्यकाल में बहुत खराब हो गए थे। चीनी मूल के ऑस्ट्रेलियाई वोटरों को रिझाने के लिए वोंग ने चीनी भाषा के प्रसार पर ज्यादा पैसा खर्च करने का वादा किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि ऑस्ट्रेलिया को दुनिया की महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा में उन्मत्त नहीं हो जाना चाहिए। वोंग ने कहा कि पूरे इलाके में बदलाव में अमेरिका हमारा अभिन्न सहयोगी जरूर है साथ ही अन्य भागीदारों और रिश्तों को मजबूत करना होगा। इसका मतलब दक्षिण पूर्व एशिया में और ज्यादा काम करना है। यह किसी से छिपा नहीं है कि नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे एंथनी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लंबे समय से प्रशंसक रहे हैं। यही नहीं लेबर पार्टी पर अरबपति हुआंग शिंआंगमो से 1 लाख डॉलर चंदा लेने के भी आरोप लगे हैं। वहीं एंथनी का भारत के साथ खास रिश्ता रहा है और वह भारत ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में जंगल में लगी सबसे बड़ी आग के दौरान हवाई द्वीप पर छुट्टियां मनाना, कोरोना वैक्सीन को सही समय पर हासिल करने में असमर्थ रहने और जरूरी मौकों पर एक्शन नहीं लेने की वजह से मॉरिसन को अपनी कुर्सी से हाथ धोना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के मतदाताओं ने जलवायु परिवर्तन, चीन और कोरोना को ध्यान में रखते हुए अपना वोट दिया था। मॉरिसन ने जलवायु परिवर्तन को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जितना उन्हें लेना चाहिए था। यही नहीं ऑस्ट्रेलिया की नाक के नीचे चीन सोलोमन द्वीप पर अपना सैन्य अड्डा बनाने जा रहा है और मॉरिसन को इसकी हवा तक नहीं लगी। मॉरिसन ने बहुत लंबे समय कोरोना लॉकडाउन लगाए रखा जिससे जनता में काफी गुस्सा देखा गया। नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे एंथनी अल्बानीस ने खुलकर कहा है कि चीन के साथ ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते जटिल बने रहेंगे लेकिन चीन के साथ निपटने का एक परिपक्व तरीका भी है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक: मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com
Mob-9560268603

ऐसे तो क्वाड से कुछ हासिल नहीं

-अजीत द्विवेदी-

हिंद-प्रशांत के चार बड़े लोकतांत्रिक देशों के समूह क्वाड के नेता जापान में मिल रहे हैं। क्वाड के नेताओं की यह पहली ह्यइन-पर्सनह्न मुलाकात है। पांच साल पहले इसके गठन के बाद से दो बार इसके नेताओं का वर्चुअल सम्मेलन हुआ है लेकिन पहली बार चारों नेता आमने-सामने मिल रहे हैं। क्वाड यानी ह्यक्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉगह्न या ह्यक्वाड्रिलेटरल इनीशिएटिवह्न का सुझाव देने वाले शिंजो आबे अब जापान के प्रधानमंत्री नहीं हैं। उनकी जगह प्रधानमंत्री बने फुमियो किशिदा पहले ह्यइन-पर्सनह्न क्वाड सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। आबे ने सबसे पहले 2016 में इस तरह के एक समूह के गठन का सुझाव दिया था। वे चीन की विस्तारवादी नीतियों और हिंद-प्रशांत का सैन्यकरण करने के उसके प्रयासों से चिंतित थे। उनके प्रयास का नतीजा था कि जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने 2017 में एक समूह बनाया।

क्वाड का गठन एक बड़ी वैश्विक परिघटना थी और इसने सारी दुनिया का ध्यान खींचा था। यह माना गया था कि चार बड़े लोकतांत्रिक देश मिल कर चीन के विस्तारवाद पर लगाम लगाएंगे, हिंद-प्रशांत को चीन के सैन्य अड्डे में बदलने से रोकेंगे और इसे एक सुरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित करेंगे। क्वाड के कई घोषित मकसद में से मुख्य मकसद हिंद-प्रशांत को सुरक्षित क्षेत्र बनाना है। सवाल है कि क्या पिछले पांच साल में क्वाड अपने इस मकसद में कामयाब हुआ है? या कोई ऐसी ठोस पहल हुई है, जिससे लगे कि चारों देश इस दिशा में आगे बढ़े हैं? अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि औपचारिक वर्चुअल मुलाकातों और बातों के अलावा क्वाड अभी तक अपने किसी मकसद को नहीं हासिल कर पाया है। उलटे पिछले पांच साल के इसके कामकाज से चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कही यह बात ज्यादा साकार हुई है कि यह ह्यसुर्खियां बटोरने वाला आइडिया है और यह उसी तरह गायब हो जाएगा, जैसे हिंद या प्रशांत महासागर में उठने वाली झाग खत्म हो जाती है।

वांग यी का बयान हो या चीन का आचरण हो, उससे प्रत्यक्ष रूप से यह नहीं लगा कि वह क्वाड से परेशान है। हो सकता है कि अंदर अंदर उसे इसकी चिंता हो और वह इससे निपटने के उपाय भी कर रहा हो लेकिन ऐसा उसने जाहिर नहीं होने दिया। हिंद-प्रशांत के चार बड़े देशों की पहल के बावजूद उसका आश्वस्त होना सिर्फ इस कारण से है कि ये चारों देश कारोबार के लिए चीन पर निर्भर हैं। चीन के साथ भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का कारोबार कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन चार देशों के साथ चीन का ट्रेड सरप्लस सालाना करीब सात सौ अरब डॉलर का है। यानी ये चार देश मिल कर चीन को जितना निर्यात करते हैं उससे सात सौ अरब डॉलर ज्यादा का आयात करते हैं। यह चीन की असली आर्थिक ताकत है, जिसके दम पर वह हिंद-प्रशांत में भी और दूसरे क्षेत्रों में भी अपना सैन्य विस्तार कर रहा है। इसमें अकेले अमेरिका के साथ उसका ट्रेड सरप्लस चार सौ अरब डॉलर का है। चीन के कुल ट्रेड सरप्लस में करीब 60 फीसदी हिस्सा अकेले अमेरिका का है। भारत के साथ भी उसकी सालाना कारोबार अधिकता बढ़ कर 80 अरब डॉलर हो गई है।

चीन की विस्तारवादी नीतियों का सबसे बड़ा और पहला शिकार भारत है। उसने मध्य एशिया के देशों से अपना सीमा विवाद निपटा लिया है और पूर्वी व दक्षिण पूर्वी एशिया में उसका विवाद ज्यादातर समुद्री सीमा को लेकर है। दक्षिण एशिया में भारत अकेला देश है, जिसकी सीमा चीन खा रहा है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले आठ साल में चुमार से लेकर डोकलाम और अब पूर्वी लद्दाख में चीन ने सीमा विवाद और सैन्य टकराव बढ़ाया है। इसके बावजूद चीन के ऊपर भारत कोई आर्थिक दबाव नहीं डाल पाया है। पूर्वी लद्दाख में दो साल से चल रहे सीमा विवाद और गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बावजूद चीन के साथ भारत का कारोबार बढ़ता जा रहा है। अब तक के इतिहास में पहली बार भारत ने चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार किया है। सोचें, एक तरफ चीन का सैनिक विस्तारवाद है और उसे रोकने के लिए क्वाड पहल है तो दूसरी ओर चीन के साथ कारोबार का विस्तार है। जाहिर है भारत का नेतृत्व मुहंजबानी जो पहल करे लेकिन हकीकत में वह वास्तविक खतरे से मुंह मोड़े हुए है। जब तक भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका चारों देश चीन के ऊपर आर्थिक दबाव नहीं डालेंगे, तब तक उसके सैन्य विस्तार को रोकना नामुमकिन होगा।

कम से कम अभी तो इसकी संभावना नहीं दिख रही है कि अमेरिका या भारत कोई आर्थिक दबाव देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो चीन को राहत देनी ही शुरू कर दी है। चीन ने अमेरिका के साथ हुए कारोबार समझौते के पहले चरण की शर्तों को 2020 की तय समय सीमा तक पूरा नहीं किया, इसके बावजूद बाइडेन प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई। उलटे चीन की बड़ी तकनीकी कंपनी हुआवे के संस्थापक की बेटी को फ्रॉड के आरोपों से मुक्त कर दिया। कोरोना की उत्पत्ति और उसके प्रसार में चीन की घोषित भूमिका होने के बावजूद अमेरिका ने उस पर दबाव नहीं बनाया। आने वाले दिनों में चीन के साथ अमेरिका के कारोबार में कमी आने की बजाय बढ़ोतरी हो तो हैरानी नहीं होगी क्योंकि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने चीन से आयातित 352 वस्तुओं पर शुल्क से छूट फिर से बहाल कर दी है। पिछले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं पर शुल्क लगाया था, जिसे बाइडेन प्रशासन ने खत्म कर दिया है। इसके अलावा बाइडेन प्रशासन चीन से आयातित असैन्य वस्तुओं पर शुल्क में और छूट देने की तैयारी कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि बाइडेन प्रशासन इस प्रयास में है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में चीन किसी तरह से रूस से दूरी बनाए। चीन को रूस से दूर रखने के लिए अमेरिका उसके साथ कारोबार भी बढ़ा रहा है और उसे रियायत भी दे रहा है।

क्वाड का एक मकसद इस समूह के चार देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का भी था। लेकिन इसके उलट चीन के साथ ही कारोबार बढ़ रहा है। अमेरिका ने भारत और दूसरे देशों के साथ कारोबार बढ़ाने या अपने बाजार तक इन देशों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कोई पहल नहीं की है। तभी क्वाड की सफलता पर संदेह किया जाने लगा है। अगर ये चारों देश मिल कर स्पष्ट और ठोस एजेंडा तय नहीं करते हैं और उस पर अमल नहीं करते हैं तो इससे कुछ भी हासिल नहीं होगा। चीन के सैन्य विस्तार को रोकना क्वाड के देशों की सदिच्छा है लेकिन यह सदिच्छा तभी पूरी होगी, जब ठोस आर्थिक व सामरिक पहल होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि टोक्यो में जब चारों देशों के नेता आमने-सामने बैठेंगे तो वे अपना आर्थिक व सामरिक सहयोग बढ़ाने के ठोस प्रस्ताव पर विचार करेंगे। साथ ही चीन के साथ कारोबार घटाने और उस पर आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति पर भी चर्चा करेंगे।

राष्ट्रवाद का अतिरेक और साम्राज्यवाद, औपनिवेशिक के मंसूबे'

संजीव ठाकुर

राष्ट्रवाद की मूल भावना से राष्ट्र में एकता अखंडता की संभावनाएं बलवती होती हैं। हम सब एक हैं इसकी इच्छा तथा भावना दोनों पनपती हैं और इन सद्भावनाओं के पीछे इतनी शक्ति ,ऊर्जा एवं ताकत होती है कि विदेशी आक्रांताओं की गुलामी से निजात पाई जा सकती है।राष्ट्रवाद से स्वतंत्रता तथा संप्रभुता प्राप्त की जा सकती है' किंतु इतिहास तथा अतीत में कुछ संदर्भित घटनाएं ऐसी हुई है जिससे इसके दुष्परिणाम एवं दुष्प्रभाव प्रकट हुए हैं।जिसका दुष्परिणाम एक देश ,एक महाद्वीप ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रकट हुआ है' दूसरी तरफ राष्ट्रवाद के अतिरेक या अंधराष्ट्रवाद के परिणाम स्वरूप उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद ने जन्म लिया है ।इसी के परिणाम स्वरूप अफ्रीका महाद्वीप में बंटवारा हुआ वहां के निवासियों के साथ पशु तुल्य व्यवहार किया गया और हमारे देश यानी भारत जैसे आत्मनिर्भर, संपन्न, खुशहाल देश को गुलाम बनाया गया और गरीबी, भूखमरी, अकाल ,कुपोषण जैसी विसंगतियों के साथ निवासियों को जीने के लिए मजबूर कर दिया गया' राष्ट्रवाद की भावना ने संपूर्ण गुलाम देशों में एक चिंगारी भर दी थी जिससे जन-जन एक योद्धा बन गया था ,और भारत अफ्रीका दक्षिण पूर्वी देश इस जिजीविषा के दम पर स्वतंत्र हो गए थे। यही राष्ट्रवाद की भावना है जिससे वहां के नागरिक कठिन से कठिन परिस्थिति में भी देश की सुरक्षा करने को अपने आप को प्रेरित करते हैं और देशभक्ति की भावना के कारण ही किसी भी देश का विकास होता है' राष्ट्रवाद मानवता से ऊपर नहीं है' राष्ट्रवाद एक विशेषता है, किंतु अंध राष्ट्रवाद घातक भी हो सकता है' मानवता और राष्ट्रवाद की तुलना करना बेमानी है यह सर्वमान्य तथ्य है कि मानवता सर्वोपरि है। उसके पश्चात ही किसी देश या व्यक्ति का राष्ट्रवाद आता है' यह अत्यंत ही रोचक बात है कि राष्ट्रवाद ने हीं साम्राज्यवाद उपनिवेशवाद को जन्म दिया है, और राष्ट्रवाद ने ही इसका सर्वनाश भी किया' यह राष्ट्रवाद का अतिरेक ही था कि नेपोलियन द्वारा फ्रांस की इस भावना के अंतर्गत यूरोपीय राजनीति को जटिल बना दिया था एवं बिस्मार्क को राष्ट्रवाद के अतिरेक ने प्रेरित कर संपूर्ण यूरोप को शतरंज की गोटियां की तरह अस्त-व्यस्त कर दिया था' यह राष्ट्रवाद का विकृत रूप ही था जब हिटलर और मुसोलिनी जैसे कट्टरपंथियों ने नाजीवाद तथा फासीवाद की आड़ में संपूर्ण विश्व को विश्व युद्ध की भयानक विभीषिका में झोंक दिया एवं लाखों लोगों मृत्यु तथा अरबों रुपए के जानमाल की हानि का कारण बने थे' अंध राष्ट्रभक्ति के कारण युद्ध में लाखों लाख सैनिकों की मौत हुई, महिलाएं विधवा हो गई बच्चे अनाथ हो गए एवं मानवता

तहस-नहस हो गई थी' उल्लेखनीय है कि सोवियत संघ तथा अमेरिका के आपस में परस्पर पारंपरिक दुश्मनी के कारण साम्यवाद तथा पूंजीवाद की विचारधारा की बुनियाद पर पूरा संसार दो गुटों में बट गया और शस्त्र अस्त्र की होड़ लग गई है,अधिकांश देशों का खर्च विकास की बजाए सैन्य ताकत बढ़ाने और अपनी सीमा की रक्षा में होने लगा। युद्ध की आकांक्षा के अतिरेक में मानवता भयभीत होकर सिसकने लगी। वर्तमान संदर्भ में रूस यूक्रेन युद्ध भी पुतिन की राष्ट्रवादी सोच एक विकृत रूप ले चुकी है और विस्तार वाद तथा साम्राज्यवाद के चलते पुतिन ने 24 अप्रैल 2022 यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया जो आज तक जारी है। पूरा विश्व इस साम्राज्यवादी युद्ध को सिर्फ दूर से देखने का कार्य ही कर रहा है, विश्व युद्ध की आशंका से न तो अमेरिका और ना ही यूरोपीय देश इसमें सक्रिय हस्तक्षेप ही कर पा रहे हैं। यह अंध राष्ट्रवाद के सामने मानवता मजबूर हो चुकी है। यूक्रेन के लगभग एक करोड़ से ज्यादा लोग यूक्रेन से पलायन कर दूसरे देशों में शरणार्थी बनकर जीवन यापन करने पर मजबूर हैं। दूसरी तरफ इस युद्ध में लाखों लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। अभी भी यूक्रेन में कई शहरों में बड़ी इमारतों के मलबे से सैकड़ों शव निकाले जा रहे हैं, क्या यह मानवता की हार नहीं है? साम्राज्यवाद और विस्तारवाद के चलते विश्व युद्ध की आशंका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवता के सर पर मंडरा रही है।

राष्ट्रवादिता किसी भी मनुष्य या शासक पर एक सीमा तक ही उचित है, इसका अतिरिक्त सदेव हिंसा युद्ध और पछतावे को जन्म देता है। देशभक्ति किसी भी शासक के लिए जब अंधदेशभक्ति अतिरेक बन जाती है तो वह मानवता के लिए सदैव खतरनाक होती है। अतः आज के युग में राष्ट्रवाद देशभक्ति और मानवता के महीन अंतर को समझ कर ही नीति तैयार होनी चाहिए। भारत वर्ष सदैव शांति सद्भावना और मित्रतता नीति अपनाते आया है एवं वसुधैव कुटुंबकम भावनाओं को लेकर चला है, विश्व को भारत को आदर्श मानकर उसकी नीति का अनुसरण करना चाहिए तब जाकर सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय हो सकता है।

कोडवर्ड शुक्राना !!

कट्टर इमानदार सिस्टम कायम करने, भ्रष्टाचारियों की सफाई का अभियान हर सरकारों को चलाना जरूरी ❍ शासन प्रशासन से जुड़े व्यक्तियों की भ्रष्टाचार में लिप्तता को उजगार करने हर सरकार को सटीक रणनीति से अग्नि परीक्षा लेना समय की मांग - एड किशन भावनानी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - एक राज्य ने जिस तरह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग के मंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार जिस रणनीतिक रोडमैप और उसके शुक्राना कोडवर्ड से कर भ्रष्टाचार का भांडा फोड़ किया वह काबिले तारीफ है!!दूसरी ओर एक राज्य के बहुत बड़े आईएएस अधिकारी पर कार्यवाही हुई है, जिसकी प्रेरणा अब हर राज्य सरकार को लेकर सबसे पहले कट्टर ईमानदार सिस्टम कायम करने के लिए पहले भ्रष्टाचारियों की सफाई करना जरूरी है इसके लिए अंदर के भ्रष्टाचार रूपी दीमक की सफाई करने गुप्त विजन चलाना चाहिए और बड़ी मछलियों को पहले सबक सिखाना चाहिए ताकि सिस्टम में शीघ्र से शीघ्र कट्टर इमानदार सिस्टम कायम हो सके और सव प्रतिशत आवंटित रकम उसी उद्देश्य में खर्च हो तो भारत को सोने की चिड़िया बनने और बड़े बुजुर्गों के सतयुग रुपी स्वप्ना को हम अति शीघ्र पूरा करेंगे।

साथियों बात अगर हम कट्टर इमानदार सिस्टम कायम करने की करें तो जिस तरह हम अपने और अपनी आने वाली अगली पीढ़ियों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर नए विजन पर काम कर रहे हैं जिसमें विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, विजन सागरमाला भारतमाला सहित इत्यादि अनेक परियोजनाएं शामिल है इसके लिए हम सबसे पहले कट्टर इमानदार सिस्टम और भ्रष्टाचार की सफाई इन दो अभियानों पर तात्कालिक रोडमैप बनाकर कार्रवाई करना होगा। हालांकि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकारों की जंग जारी है परंतु अब समय आ गया है कार्यवाही शीर्ष स्तर से जारी कर चपरासी पद स्तर तक तीव्रता से रणनीतिक रोडमैप बनाकर की जाए सारे संलग्न व्यक्तियों की संपत्तियां, रहन सहन, विदेश और लोकल यात्राएं, पड़ोसियों से उनकी जानकारी, उनका नौकरी के बाद और नौकरी के पहले का इतिहास इत्यादि अनेक एक्टिविटीज के बारे में जानकारी एकत्रित कर दोषियों को उनके असली जगह पर पहुंचाना तात्कालिक जरूरी है

साथियों हम जब तक इस तरह का की कार्रवाई एक विजन कट्टर इमानदारी, भ्रष्टाचारी देशद्रोही, बनाकर रणनीतिक रोड मैप से कार्रवाई नहीं करेंगे तब तक हमारे प्रस्तावित या एक्टिवेट विजनों को पूर्ण करने में कठिनाइयों का सामना पड़ सकता है जिसके कारण वो ही भ्रष्टाचार रूपी असुर दानव होंगे।

साथियों बात अगर हम हाई लेवल पर भ्रष्टाचार की करें तो मेरा मानना है कि एक, दो, पांच, दस, प्रतिशत कमीशन जिस तरह कथित शुक्राना, मेहर, मेहरबानी इत्यादि आज के कोडवर्ड से जाना जाता है जो किसी न किसी माध्यम के द्वारा संपन्न होते हैं उस कड़ी को तोड़ना होगा!! और वह भी कट्टर ईमानदारी से तोड़ना होगा जिसका जीता जागता उदाहरण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक राज्य के बहुत बड़े मंत्री को भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। साथियों बात अगर हम दिनांक 24 मई 2022 को एक राज्य में एक नई पार्टी की पहली बार बनी सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्री को बर्खास्त कर उसके ऊपर कार्रवाई की गई है जो काबिले तारीफ है!! हालांकि उस राज्य के सीएम साहब चाहते तो मामला दब सकता था मेरा ऐसा मानना है इसकी प्रेरणा हर राज्य सरकार को लेकर तात्कालिक इस मिशन को अपने-अपने राज्यों में शुरू करने की खास जरूरत है।जिससे भ्रष्टाचार रूपी दीमक को शीघ्र समाप्त किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम इस केस में तारीफ ए काबिल कार्यवाही की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों में आई जानकारी के अनुसार उस राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा है, स्वास्थय मंत्री ने ठेके देते हुए एक परसेंट कमीशन की मांग रखी थी। सीएम ने एक वीडियो शेयर करके कहा- हम एक पैसे के भ्रष्टाचार को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली है। मुझे अपने मंत्रिमंडल के एक मंत्री के खिलाफ मामले के बारे में पता चला जो अधिकारियों से निविदाओं में एक प्रतिशत कमीशन ले रहा है। मैं उन्हें कैबिनेट से बर्खास्त कर रहा हूं और मामले में पुलिस जांच की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला, मंत्री द्वारा अपने विभाग की निविदाओं और खरीद में कथित रूप से एक प्रतिशत कमीशन की मांग किए जाने की जानकारी मिलने के बाद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है, और संदेश जोरदार और स्पष्ट है कि राज्य में भ्रष्ट आचरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके पूर्ववर्ती भ्रष्टाचारियों को बचा रहे थे और फिर कह रहे थे कि वे अपने मंत्रियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के बारे में जानते थे। हालांकि, सीएम ने कहा कि हमारे राज्य में अब इस तरह की प्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्री ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और अब कानून अपना काम करेगा।

उन्होंने कहा कि मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त हैं और उनके पास इसका सबूत है। राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री को उनके नेतृत्व वाले विभाग में एक प्रतिशत कमीशन की मांग करने के लिए बर्खास्त कर दिया गया है। मेरी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की है और किसी को भी, चाहे वह कितना भी संपन्न हो, इस तरह के कदाचार को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चूंकि मामला केवल उनकी जानकारी में था, इसलिए वह इसे आसानी से दबा सकते थे या इसे नजरअंदाज कर सकते थे।हालांकि सीएम ने कहा कि खटकर कलां की पवित्र धरती पर शपथ लेने के बाद उन्होंने राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का संकल्प लिया था और यह इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली के लिए चुना है और वह हर राज्य की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बाध्य हैं।उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल बाद राज्य में ऐसी को,ई समानता नहीं है।

पहली बार विधायक बने 52 वर्षीय मंत्री, (पेशे से दंत चिकित्सक) मनसा से जीते। उन्होंने लोकप्रिय पंजाबी गायक और कांग्रेस उम्मीदवार शुभदीप सिंह, (जिन्हें सिद्धू मूसेवाला भी कहा जाता है) को 63,323 मतों के अंतर से हराया, जो चुनाव में सबसे अधिक जीत का अंतर है। मंत्री ने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी की थी। नामांकन दाखिल करते समय उनके द्वारा प्रस्तुत हलफनामे के अनुसार उनके पास 6.48 करोड़ रुपये की संपत्ति और 27 लाख रुपये देनदारी के रूप में हैं। उनकी पत्नी आयुर्वेद चिकित्सक हैं।

महंगाई काबू करने सरकार के चौतरफा प्रयास जारी, चीनी के दाम नियंत्रित करने सरकार ने उठाया कदम

महंगाई रोकने चीनी निर्यात पर रोक

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने चौतरफा प्रयास कर रही है। आने वाले दिनों में चीनी कड़वी न लगे इसके लिए सरकार ने गेहूं की तरह अब चीनी निर्यात पर भी रोक लगा दी है। गौरतलब है कि इससे पहले सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती कर महंगाई से राहत देने का प्रयास किया था।

इसके अलावा गेहूं के निर्यात पर रोक और स्टील और प्लास्टिक उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कुछ कच्चे माल पर आयात शुल्क भी माफ करना और खाद्य तेल की घरेलू कीमतों को कम करने के लिए कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल के सालाना 20 लाख मीट्रिक टन आयात पर सीमा शुल्क और कृषि बुनियादी ढांचे के विकास उपकर से छूट देकर सरकार ने यह बताने की कोशिश की है कि वह चौतरफा प्रयास से महंगाई पर काबू पाना चाहती है और महंगाई कम करना सरकार के लिए खास प्राथमिकता है। इसी के तहत सरकार ने मंगलवार को चीनी के निर्यात पर एक जून से पाबंदी लगा दी है जिसका उद्देश्य घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता बढ़ाना और मूल्य वृद्धि को रोकना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि चीनी सीजन 2021-22 अक्टूबर-सितंबर के दौरान देश में चीनी की घरेलू उपलब्धता और मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार अगले आदेश तक एक जून, 2022 से चीनी निर्यात को नियंत्रित करेगी। सरकार 100 एलएमटी लाख मीट्रिक टन तक चीनी निर्यात की अनुमति देगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा, चीनी कच्ची, परिष्कृत और सफेद चीनी का निर्यात एक जून 2022 से प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। हालांकि, इसने कहा कि ये पाबंदी सीएक्सएल और टीआरक्यू के तहत यूरोपीय संघ और अमेरिका को निर्यात की जा रही चीनी पर लागू नहीं होगी। सीएक्सएल और टीआरक्यू के तहत इन क्षेत्रों में एक निश्चित मात्रा में चीनी का निर्यात किया जाता है। चीनी मौसम 2021-22 अक्टूबर-सितंबर के दौरान देश में चीनी की घरेलू उपलब्धता और मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिएए उसने एक जून से चीनी निर्यात को विनियमित करने का निर्णय लिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी।

अब तक 70 लाख टन का निर्यात

बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। निर्यात के मामले में दूसरे नंबर पर है। ब्राजील सबसे ज्यादा चीनी निर्यात करता है। चीनी उद्योग संगठन इस्मा का कहना है कि चालू विपणन सीजन में रिकॉर्ड 90 लाख टन चीनी का निर्यात हो सकता है। अब तक 70 लाख टन का निर्यात हो चुका है और कुल 83 लाख टन के लिए करार हुआ है। पिछले साल 72 लाख टन निर्यात किया गया था। इससे पहले सरकार ने 16 मई को गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था। भारत के इस फैसले की वजह दुनिया भर के बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। क्योंकि ब्राजील के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा निर्यात करने वाला देश है। बता दें, भारत में गन्ने की नई फसल अक्टूबर तक तैयार होने की उम्मीद है।

त्योहारों में दाम न बढ़ें, इसलिए चीनी निर्यात सीमित किया गया: सचिव

खाद्य विभाग के सचिव सुधांशु पांडेय ने इस साल चीनी निर्यात को एक करोड़ टन तक सीमित रखने के निर्णय को सही ठहराया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि सरकार ने अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी सीजन के दौरान चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए ष्समय पर और एहतियाती उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अन्य जिंसों की तुलना में चीनी की कीमतें कहीं ज्यादा स्थिर हैं, लेकिन चीनी निर्यात पर अंकुश लगाने का निर्णय इस जिंस की वैश्विक कमी के बीच खुदरा कीमतों में किसी भी तरह की असामान्य वृद्धि को रोकने के लिए लिया गया है।

शुगर कंपनियों के शेयर गिरे

चीनी निर्यात पर रोक की खबर के बाद शुगर स्टॉक्स में भारी गिरावट देखने को मिली है। बीएसई में डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर में 13.40 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि द्वारिकेश शुगर में 9.38 प्रतिशत, उत्तम शुगर मिल्स के शेयर में 9.30 प्रतिशत और बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर में 8.56 प्रतिशत की गिरावट आई।श्री रेनुका शुगर के शेयर एनएसई पर बुधवार को 4.57 फीसदी गिरावट के साथ 42.80 रुपए पर ट्रेड कर रहे हैं। बलरामपुर चीनी मिल के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट है और यह 357.10 रुपए पर कारोबार कर रहा है। धामपुर शुगर मिल के शेयरों में 5 फीसदी की गिरावट है और यह 244.35 रुपए पर ट्रेड कर रहे हैं।

सेबी करेगा कई संपत्तियों की नीलामी

बाजार नियामक की निवेशकों का पैसा निकालने की योजना

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड सेबी निवेशकों का पैसा निकालने के लिए पांच संपत्तियों की नीलामी करेगा। ये संपत्तियां गोल्डन लाइफ एग्रो इंडिया लिमिटेड और सनशाइन एग्रो इंफ्रा लिमिटेड की हैं। इसकी नीलामी 16 जून को की जाएगी। वहीं, इन संपत्तियों के लिए आरक्षित मूल्य 11.5 करोड़ रुपए रखा गया है।

बाजार नियामक सेबी ने अधिसूचना में कहा कि इस नीलामी के लिए रखी गई संपत्तियों में कुछ जमीन के टुकड़े और पश्चिम बंगाल में स्थित एक दो-मंजिला इमारत शामिल है। नीलामी के लिए रखी जा रही पांच संपत्तियों में से तीन गोल्डन लाइफ एग्रो इंडिया की हैं और शेष दो सनशाइन एग्रो इंफ्रा से संबंधित हैं। इन संपत्तियों का कुल आरक्षित मूल्य 11.53 करोड़ रुपए रखा गया है। संपत्तियों की नीलामी 16 जून 2022 को सुबह 10.30 से 11.30 बजे के दौरान ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। सेबी ने गोल्डन लाइफ एग्रो इंडिया और सनशाइन एग्रो इंफ्रा और उनके निदेशकों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई के तहत इन संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। सेबी के मुताबिक दोनों कंपनियों ने नियामकीय मानदंडों का पालन किए बिना निवेशकों से धन जुटाया था। आपको बता दें कि क्विकर रियल्टी को ई-नीलामी सेवा प्रदाता के रूप में नियुक्त किया गया है।

हिंदुस्तान जिंक से बाहर निकलेगी सरकार, होगा निजीकरण

सरकार को हिस्सेदारी बेचने की मंजूरी, एयर इंडिया के बाद दूसरी सरकारी कंपनी का होगा प्राइवेटाइजेशन

नई दिल्ली। एयर इंडिया के निजीकरण के बाद अब केन्द्र सरकार हिंदुस्तान जिंक की पूरी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। बुधवार को कैबिनेट की बैठक में हिंदुस्तान जिंक में हिस्सेदारी बेचने की मंजूरी दी गई। इस खबर के बाद कंपनी का शेयर भाव उछलकर 300 रुपए के पार पहुंच गया।

बुधवार के कारोबार में शेयर का भाव 6 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 317 रुपए तक के स्तर तक गया। वहीं कंपनी की बाजार पूंजी एक लाख 35 हजार करोड़ रुपए तक हो गई। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की करीब 37000 करोड़ रुपए की 29.54 फीसदी हिस्सेदारी है। बुधवार के शेयर भाव के हिसाब से इस हिस्सेदारी का मूल्य 39385.66 करोड़ रुपए है। सरकार ने इस वित्त वर्ष में 65000 करोड़ रुपए का विनिवेश लक्ष्य तय किया है और उसे हासिल करने के लिए हिंदुस्तान जिंक में हिस्सेदारी बिक्री को अहम माना जा रहा है। हिंदुस्तान जिंक एक बहुसंख्यक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी थी। हालांकि, सरकार ने 2002 में फर्म में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी थी, जिसे वेदांत समूह ने खरीदा था। समूह ने बाद में कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 64.92 प्रतिशत तक ले जाने के लिए और हिस्सेदारी हासिल कर ली। अब कंपनी पर सरकार का स्वामित्व नहीं रह गया है।

विनिवेश लक्ष्य पूरा करने अन्य विकल्पों पर विचार

आईटीसी में भी सरकार का 7.91 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री की योजना है। पवन हंस, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीपीसीएल की रणनीतिक बिक्री में देरी के अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी की खराब लिस्टिंग की वजह से सरकार अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है। बता दें कि सरकार ने वित्त वर्ष 2023 के लिए विनिवेश लक्ष्य 65000 करोड़ रुपए रखा है। सरकार ने एलआईसी के आईपीओ ने इस महीने की शुरुआत में करीब 20560 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

दूसरे कार्यकाल में अब तक विनिवेश लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई मोदी सरकार

2019 से मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अब तक एक बार भी विनिवेश का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया है। यह पहली बार नहीं है जब सरकार अपने विनिवेश लक्ष्य से चूक गई हो। 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से सरकार केवल छह बार अपने लक्ष्यों को पूरा करने में सफल रही है। दीपम की वेबसाइट के अनुसार, 31 मार्च 2022 तक सरकार को विनिवेश से केवल 13561 करोड़ रुपए मिले, जो 1.75 लाख करोड़ रुपए के लक्ष्य से 1.61 लाख करोड़ रुपए कम है।

इंडिगो का चौथी तिमाही मुनाफा घटा

नई दिल्ली। कोविड के ओमिक्रॉन स्वरूप की लहर और विमानन ईंधन की महंगाई के चलते किफायती उड़ान सेवाएं प्रदान करने वाली एयरलाइन इंडिगो का मार्च 2022 को समाप्त हुई तिमाही में शुद्ध घाटा बढ़कर 1,681.8 करोड़ रुपए रहा।

इंटरग्लोब एविएशन इंडिगो की जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की समान तिमाही में इस एयरलाइन को 1,147.20 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में एयरलाइन की कुल आय 29 प्रतिशत बढ़कर 8207.5 करोड़ रुपए रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,361.80 करोड़ रुपए थी। इंडिगो ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में ईंधन पर खर्च 68 प्रतिशत बढ़कर 3220.6 करोड़ रुपए रहा जो वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में 1,914.5 करोड़ रुपए था।

नालको का चौथी तिमाही लाभ बढ़कर 1025 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नालको का समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही का एकीकृत लाभ 9.5 प्रतिशत बढ़त के साथ 1025.46 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह मुनाफा उच्च आय के कारण हुआ है। नालको ने बुधवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में 935.74 करोड़ रुपए का एकीकृत लाभ कमाया था। सूचना में कहा गया है कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की एकीकृत आय बढ़कर 4492.10 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2874.47 करोड़ रुपए थी। एकीकृत आधार पर कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 3124.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में यह 2036.25 करोड़ रुपए रहा था।

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 696 अंक तक लुढ़का

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से बनाए गए बिकवाली के दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को मजबूती हासिल करने के बावजूद गिरकर लाल निशान पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि बीएसई का सेंसेक्स आज के सर्वोच्च स्तर से 696 अंक तक लुढ़क गया। इसी तरह एनएसई के निफ्टी में भी आज के ऊपरी स्तर से 216 अंक से अधिक की गिरावट आई।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज 201.46 अंक की बढ़त के साथ 54,254.07 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में बाजार में लिवाली का ट्रेंड बनता नजर आया। कारोबार शुरू होने के बाद पहले 20 मिनट में ही सेंसेक्स 326.98 अंक की उछाल के साथ 54,379.59 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स भी नीचे लुढ़कने लगा।

बिकवाली के दबाव की वजह से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स करीब 40 अंक गिरकर लाल निशान में 54,016.46 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में मामूली खरीदारी भी हुई। इस खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक दोबारा हरे निशान में आकर कारोबार करने लगा लेकिन यह स्थिति अधिक देर तक नहीं रही। सुबह 11 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव तेज हो गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स गिरता चला गया। बीच-बीच में बाजार में होने वाली मामूली खरीदारी से सेंसेक्स को हल्का फुल्का सहारा भी मिला, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स के गिरने की गति पर लगाम नहीं लग सका। दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले तक सेंसेक्स में गिरावट जारी रही, जिसके कारण ये सूचकांक आज के ऊपरी स्तर से 696.43 अंक का गोता लगाकर 53,683.16 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

इस स्तर पर एक बार फिर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी का मूव बनाया, जिसमें उन्हें कुछ सफलता भी मिली और सेंसेक्स की स्थिति में भी कुछ सुधार हुआ। बिकवाली के दबाव से सेंसेक्स उबर नहीं सका जिसकी वजह से दिन भर के कारोबार के बाद इस सूचकांक ने 303.35 अंक की कमजोरी के साथ 53,749.26 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज पॉजिटिव नोट के साथ 71.20 अंक की बढ़त लेकर 16,196.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में हुई हल्की फुल्की खरीदारी के कारण निफ्टी थोड़ी देर में ही 98.20 अंक की तेजी के साथ 16,223.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी भी तेजी से नीचे की ओर गिरने लगा।

बिकवाली के दबाव की वजह से सुबह 10 बजे से थोड़ी देर पहले निफ्टी लाल निशान में गिरकर 16,114.30 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक दोबारा हरे निशान में आने में सफल हो गया। दोपहर 11 बजे के बाद थोड़ी देर बाद तक निफ्टी मामूली तेजी के साथ लगातार हरे निशान में बना रहा। इसके बाद बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली तेज हो जाने के कारण ये सूचकांक भी गोता खाने के लिए मजबूर हो गया।

बाजार में बीच बीच में हो रही खरीदारी के बावजूद विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव की वजह से निफ्टी दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले आज के ऊपरी स्तर से 216.40 अंक लुढ़क कर 16,006.95 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि डेढ़ घंटे के कारोबार में घरेलू संस्थागत निवेशकों की कोशिश के कारण बिकवाली पर कुछ लगाम लगा। साथ ही बाजार में लिवाली का हल्का जोर भी बना। लिवाली के इस सपोर्ट से निफ्टी की स्थिति में भी कुछ सुधार हुआ।

खाद्य तेल पर शुल्क कटौती और चीनी निर्यात पर बैन से महंगाई पर लगेगा अंकुश : कैट

नई दिल्ली, 25 मई (वेब वार्ता)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापार महासंघ (एबीकेवीएम) ने खाना पकाने के कुछ तेलों के आयात पर सीमा शुल्क घटाने का स्वागत किया है। कैट एवं एबीकेवीएम ने बुधवार को जारी एक संयुक्त बयान में कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी के आयात पर सीमा शुल्क हटाने के केंद्र सरकार के फैसले की की सराहना की। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल तथा एबीकेवीएम के अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि भारत सरकार का यह फैसला महंगाई पर अंकुश लगाने और लोगों को महंगाई से राहत प्रदान करने के लिए एक सार्थक और ठोस प्रयास है। देश में महंगाई अब तक के उच्चतम स्तर पर है। ऐसे में कच्चे तेल पर आयात शुल्क हटाने और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध से निश्चित तौर पर मुद्रास्फीति में कमी आएगी, जिससे आम आदमी को फायदा होगा। दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा कि कच्चे तेल पर आयात शुल्क हटाने के फैसले के तहत सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आयात के इच्छुक व्यक्तियों को टीआरक्यू लाइसेंस लेना होगा। उन्हें उनकी वार्षिक खपत के अनुपात में आयात करने की अनुमति दी जाएगी, जो कई मायनों में उचित प्रतीत होता है। साथ ही सरकार ये भी सुनिश्चित करे कि इस कदम का लाभ उपभोक्ताओं को मिले। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह इसलिए भी जरूरी है कि आयातक इस लाभ को अपने पास न रख लें। खंडेलवाल और ठक्कर ने कहा कि सरकार का एक और ऐतिहासिक निर्णय चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना है, जो एक उचित और व्यावहारिक कदम है। उन्होंने कहा कि ब्राजील के बाद भारत दुनिया में चीनी का बड़ा निर्यातक देश है। सरकार ने देश में घरेलू मांग और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है, जो मंगाई को काबू में रखने लोगों के व्यापक हित में है। ऐसे में हम महंगाई से निपटने के लिए सरकार के इन दो महत्वपूर्ण कदमों की सराहना करते हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेलों के आयात पर सीमा शुल्क तथा एग्रिकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस से छूट दी है।

इस फैसले से पहले इन दोनों कमोडिटी के आयात पर 5-5 फीसदी का सीमा शुल्क लग रहा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इन दोनों तेलों के दाम पांच से 6 रुपये प्रति लीटर तक घट सकता है। इसके अलावा सरकार ने चीनी के निर्यात को 100 लाख टन तक सीमित करने का फैसला लिया है। डीजीएफटी के जारी आदेश के मुताबिक चीनी पर यह पाबंदी एक जून, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 तक या अगले आदेश तक जारी रहेगा।

चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा बड़ा निर्यातक बना भारत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को दावा किया कि चीनी उत्पादन के मामले में अब देश पहले स्थान पर पहुंच गया है जबकि निर्यात के मामले में भारत दूसरे पायदान पर है। खाद्य एवं जनवितरण विभाग के संयुक्त सचिव सुबोध सिंह ने मीडियाकर्मियों को बताया कि साल 2022-23 में भारत ने ब्राजील से भी अधिक चीनी का उत्पादन किया है। उन्होंने कहा कि 2018-19 में इथेनॉल उत्पादन के लिए तीन लाख मीट्रिक टन चीनी के उपयोग के अलावा 332 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हुआ था, 2019-20 में नौ लाख मीट्रिक टन इथेनॉल उत्पादन के लिए रखे जाने के बाद 274 लाख मीट्रिक टन चीनी, 2020-21 में इथेनॉल उत्पादन के लिए 22 लाख मीट्रिक टन चीनी रखे जाने के बाद 310 लाख मीट्रिक टन चीनी तथा 2021-22 में 35 लाख मीट्रिक टन इथेनॉल उत्पादन के लिए रखे जाने के बाद 335 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हुआ था। चीनी उत्पादन के साथ-साथ चीनी का निर्यात भी बढ़ रहा है। चीनी सत्र 2017-18 में 6.2 लाख मीट्रिक टन, चीनी सत्र 2018-19 में 38 लाख मीट्रिक टन तथा चीनी सत्र 2019-20 में 59.60 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात किया गया था। संयुक्त सचिव ने कहा कि चीनी सत्र 2020-21 में 60 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात का लक्ष्य तय किया गया था लेकिन निर्यात करीब 70 लाख मीट्रिक टन चीनी हुई। चालू चीनी सत्र 2021-22 में 100 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात किया जाना है, जिसमें से करीब 90 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात का ठेका मिल चुका है। करीब 82 लाख मीट्रिक टन चीनी शुगर मिलों से निर्यात के लिए डिस्पैच की जा चुकी है और करीब 78 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात हो चुकी है। इस चीनी सत्र में चीनी निर्यात का आंकड़ा रिकॉर्ड स्तर पर है। देश में करीब 80 फीसदी चीनी का उत्पादन महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में होता है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने चीनी सत्र 2021-22 (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान देश में चीनी की घरेलू उपलब्धता और कीमत में स्थिरता बनाये रखने के लिये एक जून 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक चीनी निर्यात की सीमा 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित कर दी है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को इस बाबत आदेश देते हुए कहा कि इस फैसले से यह सुनिश्चित हो जायेगा कि चीनी सत्र के अंत में चीनी का क्लोजिंग स्टॉक 60-65 लाख मीट्रिक टन पर बना रहे, ताकि घरेलू इस्तेमाल के लिये यह स्टॉक दो-तीन महीने चल जाये।

माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 11 में नए अपडेट शेयर किए

सैन फ्रांसिस्को। नेक्स्ट-जेन एक्सपीरियंस बनाने के उद्देश्य से, टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह डेवलपर्स के लिए विंडोज 11 और माइक्रोसॉफ्ट स्टोर में नए अपडेट शेयर कर रहा है। नए अपडेट में ऐप-बिल्डिंग टूल शामिल हैं जो डेवलपर्स को अपना मौजूदा कोड लेने में सक्षम बनाते हैं और इसे विंडोज पर अविश्वसनीय रूप से आकर्षक बनाते हैं। जैसे, माइक्रोसॉफ्ट स्टोर के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचने और उन्हें जोड़ने के नए तरीके आदि।

विंडोज और उपकरण के मुख्य उत्पाद अधिकारी, पैनोस पनाय ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, विंडोज के खुले प्लेटफॉर्म के साथ हमारा लक्ष्य विंडोज पर आपके ऐप्स बनाना और चलाना आसान बनाना है, चाहे वे डॉट नेट, वेब, एंड्रॉइड, सी प्लस प्लस, लिनक्स, या कोई भी क्रॉस-प्लेटफॉर्म फ्रेमवर्क हों। पनाय ने कहा, इससे आपके सभी डेवलपर वर्कफ़्लो और वितरण मॉडल के लिए विंडोज का उपयोग करना आसान हो जाता है और आपके व्यवसाय को अपने तरीके से बनाने के लिए अधिक यूजर्स तक पहुंचना आसान हो जाता है।

विंडोज 11 में विजेट यूजर्स के लिए ऐप कंटेंट का एक ताजा, देखने योग्य और उपयोगी ध्श्य प्रदान करते हैं। इस साल के अंत से, उपयोगकर्ता विंडोज 11 पर विन32 और पीडब्ल्यूए ऐप्स के लिए सहयोगी अनुभव के रूप में विजेट्स बनाना शुरू कर सकेंगे, जो एडेप्टिव कार्डस प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है। डेवलपर्स टच, पेन, वॉयस और एआई की क्षमताओं का भी लाभ उठा सकते हैं, ताकि ऐसी विशेषताएं बनाई जा सकें जो जुड़ाव बढ़ाती हैं और आपके ऐप को अपने ग्राहकों के लिए अधिक प्राकृतिक इंटरैक्शन के साथ अलग करती हैं। कंपनी ने माइक्रोसॉफ्ट स्टोर में विन32 एप्लीकेशन्स के लिए प्रतीक्षा सूची कार्यक्रम को भी हटा दिया है, इसे सभी ऐप डेवलपर्स के लिए खोल दिया गया है। डेवलपर समुदाय से मिले फीडबैक के आधार पर कंपनी ने कहा कि वह सही समय पर सही ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करने के लिए जल्द ही नए डेवलपर टूल का संचालन कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट विज्ञापन का उपयोग करके, डेवलपर स्टोर में विज्ञापन अभियान बनाने, चलाने और देखने, ऐप्स के लिए खोज योग्यता और रूपांतरण में सुधार करने में सक्षम होंगे। इसके साथ ही, विंडोज 11 पर अमेजन ऐपस्टोर पूर्वावलोकन वर्तमान में यूएस में उपलब्ध है और यह इस साल के अंत तक फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूके सहित पांच अतिरिक्त देशों में विस्तारित होगा।

जोहो ने भारतीय स्टार्टअप जेनरोबॉटिक्स में किया निवेश

बेंगलुरु। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी जोहो कॉरपोरेशन ने बुधवार को बताया कि उसने रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सॉल्यूशन प्रदान करने वाले स्टार्टअप जेनरोबॉटिक्स में 20 करोड़ रुपये का निदेश किया है। जेनरोबॉटिक्स बैंडीक्यूट के नाम से रोबोट बनाता है। इसे साल 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉन्च किया था। यह दुनिया का पहला रोबोटिक स्कैवेंजर यानी सफाईकर्मी है, जो जोखिम भरी परिस्थितियों में सफाई का काम करता है। यह रोबोक्यूट सीवर मेनहोल, सीवर के अंदर, स्टॉर्म वाटर मेनहोल और संयंत्रों में ऑयली वाटर सीवर तथा स्टॉर्म वाटर सीवर की सफाई करने में मदद करता है। चेन्नई स्थित कंपनी जोहो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह संस्थापक श्रीधर वेंबु ने बताया कि इस निवेश के माध्यम से जेनरोबॉटिक्स को सफाईकर्मियों तथा तेल एवं गैस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को सुरक्षा तथा सम्मान प्रदान करने के अपने अभियान में मदद मिलेगी।

मौसम सामान्य होने के बाद प्रातः से सुचारू हुई पांच धाम यात्रा

हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड स्थित श्रीगंगोत्री, श्रीयमुनोत्री, श्रीबद्रीनाथ, श्रीकेदारनाथ और श्रीहेमकुंड साहिब सहित सभी पांच धामों के लिए बुधवार सुबह मौसम साफ होने पर यात्रा निर्विघ्न शुरू हो गई। इन सभी धामों पर मंगलवार देर सायं तक कुल 09 लाख, 77 हजार, 960 भक्तों ने दर्शन किये।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार सुबह बताया कि 24 मई को मौसम खराब होने से केदारनाथ में अस्थायी तौर पर हेलीकॉप्टर सेवा रोकी गई एवं कुछ पड़ावों पर तीर्थयात्रियों को भी रुकने को कहा गया था। उन्होंने बताया कि श्री बद्रीनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 08 मई से 24 मई शाम तक कुल 3,18,396 और श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि 06 मई से 24 मई सायं तक कुल 3,20,833 भक्त और तीर्थ यात्री यहां पहुंचे। इस तरह, इन दोनों धामों पर कुल 6 लाख, 39 हजार 229 दर्शनार्थियों ने पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त, श्री गंगोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि 03 मई से 24 मई तक कुल 1,90,482 और श्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि 03 मई से 24 मई तक कुल 1,39,899 दर्शनार्थियों ने दर्शन किये। इस तरह यहां कुल 3 लाख 30 हजार 381 ने पुण्य लाभ ग्रहण किया। सूत्रों ने बताया कि श्री हेमकुंड साहिब लोकपाल तीर्थ पहुंचे तीर्थयात्रियों की संख्या कपाट खुलने की तिथि 22 मई से 24 मई देर शाम तक कुल 8,350 रही। इस तरह पांचों धामों में मंगलवार सायं तक कुल 09 लाख, 77 हजार, 960 दर्शनार्थियों ने दर्शन किये। उन्होंने बताया कि बुधवार को प्रातः से यात्रा सामान्य रूप से चल रही है। मंगलवार को मौसम की स्थिति को देखते केदारनाथ एवं यमुनोत्री में कुछ पड़ावों पर तीर्थयात्रियों को रूकने की सलाह दी गई थी।

कर्नाटक में भी ज्ञानवापी जैसा मामला

मलाली में मस्जिद के 500 मीटर में धारा 144 लागू

मंगलुरु (एजेंसी)। उप्र के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का विवाद अभी सुलझा भी नहीं कि कर्नाटक से एक और ऐसा मामला सामने आया है। जिसके बाद यहां मंगलुरु के मलाली में जुमा मस्जिद से 500 मीटर के दायरे तक बुधवार सुबह आठ बजे से धारा 144 लागू कर दी गई है।

इस दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे थेनकुलीपडी के श्री रामंजनेय भजन मंदिर में तंबुला प्रश्न नामक धार्मिक आयोजन किए जाने के बाद सीआरपीसी की धारा 144 लगाई गई है।

चूंकि हिंदू सामाजिक संगठनों का मानना है कि जुमा मस्जिद का निर्माण मंदिर के स्थान पर किया गया है इसलिए'तंबुला प्रश्न'अनुष्ठान के बाद 'अष्टमंगला प्रणाम' की तैयारियां शुरू हो गईं।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को मैंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में स्थित जुमा मस्जिद में मस्जिद अफसरों द्वारा कराए जा रहे नवीनीकरण कार्य के दौरान मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर के जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन मिलने की बात कही गई थी।

ज्ञानवापी प्रकरण में नई अर्जी अदालत में पेश, फास्ट ट्रैक कोर्ट सुनेगी 30 मई को

वाराणसी, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में दर्शन पूजन की अनुमति देने की मांग करने वाली एक नई अर्जी स्थानीय अदालत में दायर की गयी है। विश्व वैदिक सनातन संघ की ओर से यह अर्जी मंगलवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में पेश की गई थी। इसे सुनवाई के लिये 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' को हस्तांतरित कर दिया गया है।

2017 के बाद सबसे बड़ा परीक्षण

उत्तर कोरिया ने दागीं तीन बैलिस्टिक मिसाइलें

प्योंगयांग, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के एशियाई दौरे समाप्त होने के कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि पहली मिसाइल बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजे दागी की गई, इसके बाद दूसरा 37 मिनट बाद और तीसरा पांच मिनट बाद छोड़ा गया। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि वह पूरी तरह से तैयार हैं और अमेरिका के साथ सहयोग कर रही है।

उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण के तुरंत बाद, दक्षिण कोरिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति यूं सुक-येओल ने तुरंत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई। इस साल उत्तर कोरिया ने रिकॉर्ड संख्या में मिसाइल प्रक्षेपण किए हैं, जिसमें 2017 के बाद से अपनी सबसे बड़ी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण भी शामिल है।

उ. कोरिया ने किया एटमी डेटोनेशन डिवाइस का टेस्ट

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवतः अपने सातवें परमाणु परीक्षण की तैयारी के तहत एक परमाणु डेटोनेशन डिवाइस (विस्फोट उपकरण) का परीक्षण किया है। योनहाप ने राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के प्रथम उप निदेशक किम ताए-्यो के हवाले से कहा है कि दक्षिण कोरिया को विश्वास नहीं है कि अगले एक या दो दिन में परमाणु परीक्षण होगा।

एक नजर

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों के साथ बुधवार को हुई मुठभेड़ में तीन संदिग्ध पाक आतंकी ढेर हुए जबकि एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। यह मुठभेड़ जिले के नजीभात क्रीरी इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान हुई। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि अचानक हुई इस मुठभेड़ में तीन पाक आतंकी मारे गए तथा एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। मुठभेड़ स्थल से आपत्तिजनक सामग्री के साथ हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी किस संगठन से जुड़े थे, इसकी जानकारी अभी नहीं हो पाई है। मुठभेड़ श्रीनगर में आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी के शहीद होने और उसकी पुत्री के घायल होने के एक दिन बाद हुई है।

ओडिशा: जगन्नाथ मंदिर के पास युवक की हत्या

पुरी, (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के सेवक समुदाय के एक परिवार के सदस्य की मंगलवार रात मंदिर के पास एक भीड़भाड़ वाली जगह में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को इसकी सूचना दी। पुरी के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपी चंदन बारिक को पकड़ लिया गया है और उसके कब्जे से हत्या का हथियार, एक माउजर बरामद किया गया है। चश्मदीदों ने बताया कि मंगलवार रात काकुड़ीखाई मंदिर के सामने सिंहद्वार से सौ मीटर की दूरी पर पीड़ित सिब्रम पात्रा पर एक बाइक सवार ने अचानक गोली चला दी और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। गोली की आवाज सुनकर लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने युवक को पुरी मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूएई में मंकीपॉक्स का मामला आया सामने

अबू धाबी, (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहला खाड़ी देश बन गया है, जहां मंकीपॉक्स का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने एक यात्री में मंकीपॉक्स मामले का पता लगाया है, जो हाल ही में पश्चिम अफ्रीका का दौरा किया था। हालांकि उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी प्रकोप से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यूरोप में इसके साथ, चेक गणराज्य और स्लोवेनिया में भी मंकीपॉक्स के मामले सामने आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मामलों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन सामान्य आबादी के लिए जोखिम कम है।

अमेरिका में गन कल्चर बना बाधा

टेक्सास स्कूल में गोलीबारी 19 बच्चों सहित 23 की मौत

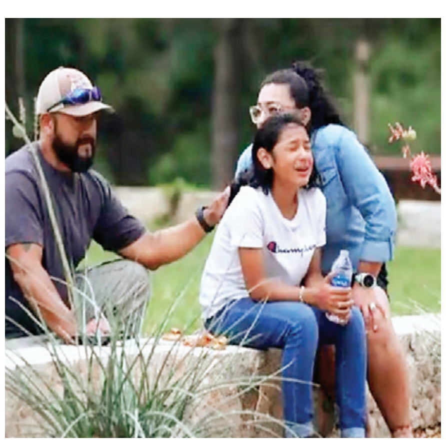

ह्यूस्टन, (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास में स्कूल में बड़ी वारदात देखने को मिली है। स्कूल में गोलीबारी की वारदात में 23 लोगों की मौत हो गई है। बंदूक लेकर स्कूल में घुसे हमलावार ने यहां अंधाधुंध गोलियां चलाई जिसमें 19 बच्चे और 2 शिक्षकों की मौत हो गई। मृत सभी बच्चे 7 साल से 10 साल की उम्र के बीच हैं।

हमलवार को भी पुलिस ने मार गिराया है। इसकी उम्र 18 साल थी। साल्वाडोर रामोस नाम के हमलवार ने स्कूल पहुंचने से पहले अपनी दादी को भी गोली मारी थी, इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई हा।. इस घटना ने अमेरिका को सन्न कर दिया है।

बाइडेन ने किया कार्रवाई का आह्वान

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने टेक्सास के प्राथमिक स्कूल में हुई गोलीबारी में कम से कम 19 बच्चों की मौत पर गुस्सा, निराशा और दुख व्यक्त किया है। टेक्सास के एक प्राथमिक विद्यालय में एक बंदूकधारी द्वारा 10 बच्चों की हत्या के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने आग्नेयास्त्रों पर नए प्रतिबंधों का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कह कि भगवान के नाम पर हम बंदूक की लॉबी के लिए खड़े होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय है कि हम इस दर्द को कार्रवाई में बदल दें, एक बच्चे को खोने पर आत्मा को कष्ट पहुंचा है। हमले पर दुख जताते हुए राष्पति बाइडेन ने चार दिन का राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है।

ऐसा फिर न हो,इसको रोकने साहस होना चाहिए: उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि अब बहुत हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में, हमें कार्रवाई करने और ऐसा दोबारा होने से रोकने का साहस होना चाहिए। हमारे देश के लिए बंदूक लॉबी के सामने खड़े होने और उचित बंदूक सुरक्षा कानून पारित करने का लंबा समय हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में, हमारे पास कार्रवाई करने और इसे फिर कभी होने से रोकने का साहस होना चाहिए।

आक्रोश बताने के लिए शब्द नहीं: अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने कहा कि आज रॉब एलीमेंट्री स्कूल में छोटे स्कूली बच्चों और एक शिक्षक के निर्दय हत्याकांड की पीड़ा और आक्रोश बताने के लिए शब्द नहीं हैं। प्रार्थना करते समय सभी अमेरिकियों के दिल टूट गए हैं। उन परिवारों के लिए जो हमेशा के लिए बिखर गए और एक समुदाय हमेशा के लिए आहत हो गया।

घटना से सबक लेने का समय: पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा,'देश भर में माता-पिता अपने बच्चों को बिस्तर पर लिटा रहे हैं, कहानियां सुना रहे हैं, लोरी गा रहे हैं और मन ही मन वे चिंतित हैं कि कल क्या होगा, जब वे अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई के लिए लंबा समय है।

पढ़ाई के साथ ही होगा युवाओं में कौशल विकास: कपिल अग्रवाल

लखनऊ (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

कौशल विकास के माध्यम से भी विभिन्न कोर्स संचालित किए जा रहे है, जिसमे युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। यें बातें प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास ने स्मार्ट डेसबोर्ड के शुभारम्भ तथा सहायक भंडारी के नियुक्ति पत्र वितरण के समय कही गई। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत इण्टरमीडिएट, डिग्री कालेजों में भी कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। जिससे पढ़ाई के साथ-साथ कौशल का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को विदेशी भाषाओं का भी ज्ञान दिया जायेगा, जिससे कि विदेशों मे भी जाने के अवसर उन्हें मिल सकेंगे। मंत्री अग्रवाल प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय लखनऊ में विश्वकर्मा तकनीकी उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभागीय गतिविधियों की मानीटरिंग करने के लिए बनाए गए स्मार्ट डेशबोर्ड का शुभारम्भ किया। स्मार्ट डेशबोर्ड के बनने से प्रदेश की सभी आईटीआई की मानीटरिंग की जा सकेगी।

स्मार्ट डेश बोर्ड का शुभारंभ

नए आईबी, रॉ, एनआईए प्रमुखों की तलाश शुरू

मौजूदा अफसरों को विस्तार देने के मूड में नहीं सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी) सरकार ने देश की शीर्ष खुफिया एजेंसियों- इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), सुरक्षा के लिए प्रमुखों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि सरकार मौजूदा आईबी और रॉ प्रमुखों को और विस्तार देने के मूड में नहीं है।

आईबी प्रमुख अरविंद कुमार का कार्यकाल इस महीने समाप्त हो जाएगा, जबकि रॉ प्रमुख सामंत गोयल 30 जून को सेवानिवृत्त होंगे। कुमार और गोयल दोनों को उनके निर्धारित सेवा कार्यकाल से परे, पिछले साल मई में एक साल का विस्तार दिया गया था।

सूत्रों ने यह भी कहा कि सरकार, सबसे अधिक संभावना है, आईबी और रॉ के वरिष्ठतम अधिकारियों को कमान देने को तैयार है, जबकि संगठनों के बाहर से आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति अंतिम विकल्प होगा। सूत्रों के अनुसार, आईबी प्रमुख पद के लिए 1987 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी ए.एस. राजन, जो इस समय इसके नंबर दो के रूप में कार्यरत हैं। राजन ने गुजरात में उप निदेशक और संयुक्त निदेशक के रूप में कार्य किया है और सरकार द्वारा उन्हें उच्च दर्जा दिया गया है। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के अधिकारी तपन डेका भी शीर्ष आईबी पद की दौड़ में हैं। वह वर्तमान में विशेष निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के प्रभारी भी हैं।

सूत्रों ने बताया कि रॉ के लिए मौजूदा सीबीआई निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल पर भी विचार किया जा रहा है। वह 2008 में रॉ के मुंबई स्टेशन के प्रमुख थे, जब आतंकवादी हमला हुआ था और एजेंसी में काफी समय तक सेवा की थी।

यह भी पता चला है कि सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह, जो राष्ट्रीय जांच एजेंसी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं, इसके अगले प्रमुख हो सकते हैं। सरकार सशस्त्र सीमा बल के नए महानिदेशक की भी तलाश कर रही है, क्योंकि इस पद का भी प्रभार अब तक आईटीबीपी के महानिदेशक संजय अरोड़ा के पास है।

भारत-बांग्लादेश नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय अभ्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना और बांग्लादेश नौसेना के बीच तीसरा द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास बोंगोसागर पोर्ट मोंगला में चल रहा है। इस अभ्यास का बंदरगाह चरण बुधवार को संपन्न हो जाएगा जिसके बाद 26 से 27 मई तक बंगाल की खाड़ी में समुद्री अभ्यास होगा। बोंगोसागर अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच समुद्री अभ्यासों और संयुक्त संचालन के माध्यम से उच्च स्तर के तालमेल तथा संचालन कौशल को विकसित करना है।

भगवान राम जैसा व्यवहार जिसके जीवन में होगा वो कभी भी पराजित नहीं हो सकता : स्वामी वेद पुरी

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।

कुरुक्षेत्र अरुणाय। श्री शिवशक्ति पीठ आश्रम अरुणाय के स्वामी वेद पुरी जी महाराज ने आज एकादशी पर्व पर आज मानव जीवन पर चर्चा करते हुए बताया की मनुष्य जीवन से संघर्ष कभी भी खतम नहीं हो सकता। यह प्रत्येक घडी प्रत्येक पल चलता ही रहता है। बाहर और भीतर दोनों जगह थोड़े - थोड़े कुरुक्षेत्र के हालात बने ही रहते हैं। सब जीतना ही चाहते हैं , ऐसा कौन होगा जो हारना चाहे।

स्वामी वेद पुरी ने बताया की रामदिवत, वर्तितव्यम् अर्थात: भगवान्-राम जैसा व्यवहार जिसके जीवन में होगा वो कभी भी पराजित नहीं हो सकता। राम कौन हैं ? रामो विग्रहवान धर्मः। भगवान राम धर्म के जीवंत स्वरूप हैं।

राम माने सत्य, शुचिता, पवित्रता, सहजता, उदारता, कर्तव्य परायणता, साधना। तो हारने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। स्मरण रखना सत्य जिसके पास है वो ना भीतर हार सकता और ना ही बाहर।

स्वामी जी ने बताया की असत्य के मार्ग पर चलने वाला वाला हारेगा तो पक्का, साथ ही सदैव कष्ट ही अनुभव करेगा। स्वामी वेद पुरी जी महाराज ने बताया की मनुष्य योनि जनकल्याण और मोक्ष प्राप्ति के लिए ही प्राप्त होती है और मनुष्य इस योनि में आकर सब कुछ भूल जाता है और धन कमाने में अपना सब कुछ न्यौछावर कर देता है जबकि वास्तविकता यह है उपर मात्र कर्म साथ जाते है स्वामी जी ने बताया की जब प्राण छूटते समय कर्म याद आते है फिर मनुष्य को मात्र पछतावा ही याद आता है तब बहुत देर हो चुकी होती है।

स्वामी जी ने बताया की कर्म करो कर्म कभी खाली नही जाते।

पाक में पीटीआई के आजाद मार्च में पुलिस और प्रदर्शनकारी भिड़े

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाक के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के इस्लामाबाद तक आयोजित आजादी मार्च को नाकाम करने के लिए सरकार ने पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया और सड़कें बाधित कर दीं। लेकिन इमरान ने कहा कि कोई नाकाबंदी उन्हें नहीं रोक सकती।

इमरान बोले- हमें कोई नहीं रोक सकता

इस बीच, इमरान हेलीकॉप्टर से खैबर पख्तूनख्वा के वली इंटरचेंज तक पहुंच गए और डी-चौक पर पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़ गए।

पीटीआई के कई नेताओं को बुधवार को नेताओं और पुलिस के बीच झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने इस्लामाबाद की ओर विरोध मार्च को हरी झंडी दिखाई थी जिसके बाद झड़प हुई। पुलिस ने पीटीआई के अली असजद मल्ही, जमशेद चीमा, डॉ. यास्मीन राशिद, अंदलीब अब्बास को गिरफ्तार कर लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद जाने वाले मार्गों को अवरुद्ध करने वाले शिपिंग कंटेनरों को हटाने की कोशिश की।

वहीं दूसरी और पाक के सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई प्रमुख इमरान खान को गिरफ्तार करने वाले शहबाज शरीफ सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की पार्टी पीटीआई को इस्लामाबाद के एच-9 ग्राउंड इलाके में धरना देने की अनुमति भी दे दी है।

आज का इतिहास

- 1679: ब्रिटेन की संसद ने बन्दी प्रत्यक्षीकरण कानून पारित किया था, जिसे दुनिया का पहला मनुष्य की निजी आज़ादी का मानवाधिकार कानून माना जाता है।
- 1739: मुगल बादशाह मोहम्मद शाह और ईरान के नादिर शाह के बीच हुई संधि के परिणामस्वरूप अफगानिस्तान, भारत से अलग हुआ।
- 1805: नेपोलियन को इटली के राजा का ताज पहनाया गया।
- 1822: ग्रू चर्च में लगी आग में 116 लोगों की मौत। यह नॉर्वे के इतिहास में सबसे बड़ा अग्निकांड था।
- 1918: जॉर्जिया का लोकतांत्रिक गणराज्य स्थापित किया गया था।
- 1926: लेबनान में संविधान को अंगीकार किया गया।
- 1950: ब्रिटेन में पेट्रोल खरीदने पर लगी सीमा को खत्म कर दिया गया। इससे पहले हर व्यक्ति को पेट्रोल खरीदने के लिए राशन कार्ड दिया जाता था।

राजनीति जाति के आधार पर जनगणना करने के अलावा अब देश के सामने और कोई विकल्प नहीं

जातीय जनगणना पर पवार का नीतीश कुमार को समर्थन

मुंबई ■ एजेंसी

बिहार से फैली जातीय जनगणना की आग अब महाराष्ट्र भी पहुंच गई है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एसीपी) के मुखिया शरद पवार ने भी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरह मांग की है कि सामाजिक समानता और न्याय के सिद्धांत को और मजबूत बनाने के लिए देश में जातीय जनगणना अवश्य होनी चाहिए।

शरद पवार ने जातीय गनगणनी के मुद्दे पर यह बात एनसीपी की ओबीसी विंग की बैठक को संबोधित करते हुए कहा। महाराष्ट्र के वयोवृद्ध नेता पवार ने कहा कि देश में हर किसी को समान अधिकार मिलना चाहिए और भारत का संविधान इसी समाजिक समरसता को बढ़ावा देने की बात करता है। महाराष्ट्र में शिवसोना और कांग्रेस के साथ मिलकर महाविकास आघाडी की सरकार बनवाने वाले पवार ने इस मसले पर केंद्र को निशाना बनाया और कहा कि हम किसी से मुफ्त में कुछ नहीं मांग रहे हैं। हमारा बस इतना कहना है कि जाति के आधार पर जनगणना करने के अलावा अब देश के सामने और कोई विकल्प नहीं है। इसके साथ ही शरद पवार ने यह भी कहा कि संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को फायदा हुआ है और अब अन्य पिछड़ा वर्ग को भी विकास के लिए इस तरह की रियायत की दरकार है और ये एक वाजिब मांग है, जिससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। पवार ने कहा कि एबीसी को रियायत देने के लिए सरकार को पहले उनकी सही जनसंख्या का पता लगाना होगा, इसलिए एनसीपी जातीय जनगणना के पक्ष में मजबूती से खड़ी है। एनसीपी प्रमुख ने जातीय जनगणना के मामले में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिहार में इसके लिए अच्छी पहल कर रहे हैं और मैं इसका स्वागत करता हूं लेकिन राज्य में उनकी पार्टी भाजपा ही जातीय जनगणना के मुद्दे पर विरोध कर रही है, जिससे पता चलता है कि इस मुद्दे पर भाजपा की मानसिकता ओबीसी को न्याय देने की नहीं है।

बिहार में जातीय जनगणना का समर्थन करेगी भाजपा

पटना, (एजेंसी)। बिहार में जातीय जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक से पहले भाजपा ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भाजपा ने बुधवार को साफ किया कि वह बिहार में जातीय जनगणना का समर्थन करेगी। सीएम नीतीश कुमार ने एक जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि एक जून को नीतीश कुमार के नेतृत्व में बैठक होने जा रही है। करीब सभी पार्टियां जातीय जनगणना के पक्ष में हैं।

मंत्री ने कहा कि बैठक में लिये जाने वाले फैसले के बाद इसके क्रियान्वयन को लेकर मंत्रियों की बैठक बुलानी होगी। इसलिए इसे मंत्री परिषद की बैठक में लाया जाएगा। इसके बाद सरकार इसे लागू करने का प्रयास करेगी। मंत्री ने कहा कि जातीय जनगणना पर सभी दल सहमत हैं। सभी दलों से बातचीत हो चुकी है। एक जून को होने वाली बैठक में सभी दलों के लोग शामिल होंगे। बीजेपी ने कभी जातीय जनगणना का विरोध नहीं किया है।

देश को गिरवी रखने की योजना है, संघर्ष जारी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। बनारस रेल इंजन कारखाने के कर्मचारी क्लब में डीएलडब्लू रेल मजदूर यूनियन ने रेल के निजीकरण, निगमीकरण व एन पी एस के खिलाफ आमसभा का आयोजन किया।

आमसभा को सम्बोधित करते हुए इण्डियन रेलवे इम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड मनोज पाण्डेय ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि हम सब अभी रेलवे कर्मचारी लगातार सरकार द्वारा रेलवे के निजीकरण, निगमीकरण के साथ 100 डेज एक्सन प्लान के हमलों के खिलाफ संघर्ष कर ही रहे थे जिनमें रेलवे के सात उत्पादन इकाइया- चितरंजन, वाराणसी, रायबरेली, कपूरथला, पटियाला, चेन्नई और बेंगलुरु का इंडियन रोलिंग स्टॉक कंपनी के नाम से निजी क्षेत्र में दे देने की योजना बनाई गई, जिसमें 23 महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन, 600 रेलवे स्टेशन के आसपास की जमीन लैंड डेवलपमेंट प्राधिकरण को देने की बात कही गई थी, और पहले से ही चल रही बहुप्रतीक्षित रेलवे की डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर जिसमें लुधियाना से कोलकाता 1800, दादरी से जेएनपीटी 1500 द्वद्ब, खड़गपुर से विजयवाडा 1000 किमी, भुसावल से धानकुनी 1500 किमी, विजयवाडा से इटारसी 1500 किमी जिनमें 150 निजी ट्रेन और मालगाड़ी स्लॉट निजी परिचालन के उपलब्ध कराने की बात है ।

वीकेंड मस्ती के लिए दिल्ली के आसपास भी है खूबसूरत लोकेशन

लंबे समर वैकेशन की शुरूआत होने वाली है। फैमिली या फिर फ्रेंड्स के साथ वीकेंड का लुत्फ उठाने का सही समय है। अगर आप प्लानिंग बना रहे हैं, तो दिल्ली के आसपास भी काफी खूबसूरत जगहें हैं...

दिल्ली के आसपास मात्र 150 से 250 किलोमीटर की दूरी पर सड़क या रेलमार्ग से दो से पांच घंटों की यात्रा करके कई पर्यटन स्थलों की सैर की जा सकती है। इनमें ट्रैकिंग, रिवर रॉफ्टिंग, बोटिंग, बंगी जंपिंग, माउंटेनियरिंग जैसे साहसिक खेलों के साथ-साथ एम्यूजमेंट पार्क, ऐतिहासिक स्थलों, भव्य प्राचीन स्मारकों और इमारतों, जंगल-सफारी, तीर्थस्थलों को देखने के अलावा, भरपूर खरीदारी और विविध खानपान का लुत्फ उठाया जा सकता है। हमने आपके वीकेंड को यादगार बनाने के लिए ऐसे कुछ खूबसूरत, खुशनुमा डेस्टिनेशन का चयन किया है।

लैंसडाउन

सबसे पहले चलते हैं उत्तराखंड की ओर। दिल्ली-मेरठ-मवाणा-बिजनौर- नजीबाबाद-डुगुड्डा-लैंसडाउन, यह दिल्ली से लैंसडाउन पहुंचने का रास्ता है। यह कोटद्वार से 42 किमी. और दिल्ली से करीब 240 किमी. की दूरी पर है। वर्ष 1887 में लॉर्ड लैंसडाउन ने इसकी स्थापना की थी, इसलिए उनके नाम पर इस जगह का नामकरण किया गया। यह मूलतः अंग्रेजों के बीच एक लोकप्रिय पर्वतीय स्थल था। अब यहां भारतीय सेना के मशहूर गढ़वाल राइफल्स का मुख्यालय है। यह छावनी क्षेत्र है। यह बहुत व्यवस्थित और साफ-सुथरी जगह है। शहर के कोलाहल से दूर प्रकृति के सानिध्य का लाभ उठाना चाहते हैं, तो दिल्ली के नजदीक लैंसडाउन बेहतरीन जगह है। देवदार, चीड़, बुरांश, बांज, काफल आदि के जंगल से घिरा व हिमालय की गगनचुंबी चोटियां चैखम्बा, बंदर पूंछ, नीलकंठ, भुल्ला ताल लेक, दूधातोली के दर्शन कराता लैंसडाउन के निकट टिप इन टॉप, सिद्ध बल मंदिर भैरव गढ़ी, कालेश्वर, कण्वाश्रम आदि दर्शनीय स्थल हैं।

वृंदावन-मथुरा-आगरा

ये उत्तर प्रदेश के बहुत पुराने और लोकप्रिय गंतव्य हैं, पर हैं सदाबहार। दिल्ली से वृंदावन की दूरी मात्र 155 किलोमीटर है। इन तीन जगहों की यात्रा एक वीकेंड में बारी-बारी से मात्र एक या दो रात रुक कर की जा सकती है। दिल्ली से सड़क मार्ग से सुबह प्रस्थान कीजिए और दो घंटे में भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन पहुंच जाएंगे। वृंदावन को मंदिरों की नगरी कहें, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। राधा वल्लभ मंदिर, जयपुर मंदिर, श्री राधा रमण मंदिर, शाह जी मंदिर, गोविंद देव जी मंदिर, श्री कृष्ण-बलराम मंदिर, राधा दामोदर मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, मदन मोहन मंदिर आदि यहां के दर्शनीय और महत्वपूर्ण मंदिर हैं। वृंदावन से 33 किलोमीटर की दूरी पर है भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा जहां भगवान का जन्म हुआ था। मथुरा में भी भगवान कृष्ण की सर्वव्यापकता है।

भगवान की जन्मस्थली की जगह एक अतिप्राचीन मंदिर केशव देव मंदिर है। इस प्राचीन तीर्थ में किंवदंतियों से जुड़े कई दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें द्वारकाधीश मंदिर, कृष्ण जन्मभूमि, कंस किला, विश्राम घाट अवश्य देखना चाहिए। मथुरा के पेड़े और रूद्राक्ष तो मशहूर हैं ही। इसके अलावा यहां के खानपान भी स्वादिष्ट होते हैं। पूरे दिन वृंदावन और मथुरा घूमने के बाद रात्रि में मथुरा में विश्राम कर सकते हैं। पुनः सुबह आगरा के लिए निकल पड़िए। रास्ते में तकरीबन 32 किलोमीटर की दूरी पर फतेहपुर सीकरी पडेगा, जो अपने किले, बुलंद दरवाजा, शेख सलीम चिश्ती की मजार के लिए मशहूर है। लाल सैंड स्टोन से बने फतेहपुर सीकरी का निर्माण अकबर ने करवाया था। इसका निर्माण काल वर्ष 1571 से 1585 के बीच है। यह मुगल स्थापत्य कला का बेहतरीन उदाहरण है। यहां से 37 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। यह मुगल काल का एक उल्लेखनीय गर और मोहब्बत के बेमिसाल स्मारक ताज महल के लिए विश्वविख्यात है।

मगर ताजमहल का अद्भुत सौंदर्य चांदनी रात में गजब का निखर जाता है। आगरा के पेठे, चमड़े के जूते-चप्पल, ताजमहल की प्रतिकृति जो कि टॉकस्टोन की बनी होती है और कई सजावटी सामान यहां से खरीदे जा सकते हैं। आगरा और इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। सिकंदराबाद में अकबर द्वारा निर्मित मकबरा है और यहीं अकबर की कब्र है। यह स्मारक हिंदू, मुस्लिम, इसाई, बौद्ध और जैन स्थापत्य कला का सुंदर संगम है। चीनी-का-रोजा भी दर्शनीय है। आगरा से 15 किमी. की दूरी पर राधास्वामी मत के संस्थापक की समाधि है, जो दयाल बाग के नाम से मशहूर है। नूरजहां के पिता का मकबरा एतमाद-उद-दौला मीनार, अकबर की पत्नी की याद में निर्मित मरियम मकबरा और बाबर द्वारा भारत में मुगलों के हाथों निर्मित पहले उद्यान राम बाग का भ्रमण भी जरूर करना चाहिए। देर शाम तक पूरे आगरा का भ्रमण करने के पश्चात आप वापस दिल्ली के लिए रवाना हो सकते हैं। दिल्ली आगरा के बीच की दूरी करीब 210 किमी. है। एक्सप्रेस वे के कारण यह दूरी काफी कम हो गई है।

दमदमा

दिल्ली-गुड़गांव-बादशाहपुर-दमदमा यही मार्ग है दमदमा लेक तक पहुंचने के लिए। दिल्ली से एनएच 8 होते हुए यह करीब 63 किलोमीटर की दूरी पर है। यह गुड़गांवअलवर मार्ग पर स्थित है। अरावली के निकट स्थित यह स्थान फन-ट्रिप यानी मौज-मस्ती, पिकनिक आदि के लिए बेहतरीन है। झील में तरह-तरह की बोटिंग की व्यवस्था है। यहां पूरे दिन अनेक प्रकार की पिकनिक एक्टिविटीज सुविधाओं से युक्त बेहतरीन रिजॉर्ट हैं, जहां आप नाइट स्टे भी कर सकते हैं।

बहरोड

बहरोड वीकेंड के लिए एक आदर्श गंतव्य है। यह दिल्ली-गुड़गांव-धारुहेड़ा होते हुए दिल्ली से करीब 120 किमी. की दूरी पर है। राजस्थान के अलवर जिले में स्थित बहरोड में रोर समुदाय द्वारा स्थापित विशाल किला देखने लायक है। यहां करीब 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित हरियाली का सौंदर्य उल्लेखनीय है। इसके अलावा, सुकून से वीकेंड गुजारने के लिए यहां आरामदायक रिजॉर्ट भी हैं। बहरोड के पास ही स्थित है मशहूर नीमराणा किला, तरंग सुल्तान का मकबरा, सरिस्का बाघ अभयारण्य आदि। यह दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर स्थित है। सरिस्का में पर्यटन का मतलब है निकट ही स्थित दो और मजेदार स्थलों की सैर। पहला सिलीसढ़ झील और दूसरा भानगढ़। सरिस्का से 30 किलोमीटर की दूरी पर सिलीसढ़ झील आकर्षक पिकनिक स्थल है, जहां बोटिंग का अपना ही लुत्फ है। भानगढ़ पुराने भुतहा महल के कारण भी काफी मशहूर है। कहते हैं यहां शाम के बाद रुका नहीं जा सकता। इन दोनों जगहों में भ्रमण कीजिए और ठहरिए अलवर में।

नीमराणा

राजस्थान के अलवर शहर में स्थित नीमराणा दिल्ली-जयपुर हाइवे पर है, जो एक प्राचीन दर्शनीय स्थल है। यह स्थान 14वीं शताब्दी में चैहानों द्वारा निर्मित पहाड़ी किले के लिए मशहूर है। ये चैहान पृथ्वीराज चैहान के वंशज कहे जाते हैं। इस किले को होटल में तब्दील कर दिया गया है। नीमराणा

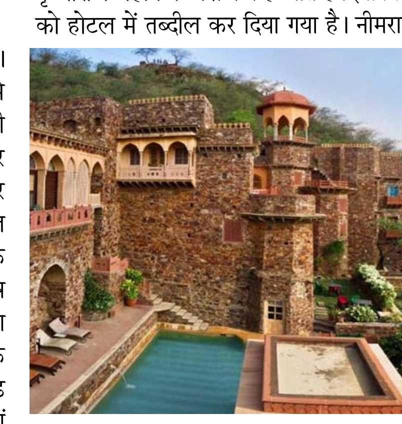

दिल्ली से करीब 122 किमी. की दूरी पर है। यहां एक और ऐतिहासिक किला केसरोली है, जिसे सबसे प्राचीन धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त है। इतिहासकारों के अनुसार यह महाभारत कालीन मत्स्य जनपद था। यहां अतिप्राचीन बौद्ध विहार के अवशेष और पांडुपोल भी हैं। माना जाता है कि अपने निर्वासन काल के अंतिम दिनों में पांडवों ने यहां वास किया था। नीमराणा फोर्ट पैलेस ठहरने के लिए एक शानदार जगह है।

पाटीदार का शतक, बेंगलुरु दूसरे क्वालीफायर में, लखनऊ बाहर

कोलकाता। रजत पाटीदार (नाबाद 112) के शानदार शतक और उनकी दिनेश कार्तिक (नाबाद 37) के साथ 92 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बुधवार को 14 रन की जीत से एलिमिनेट कर आईपीएल के 27 मई को होने वाले दूसरे क्वालीफायर में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला पहले क्वालीफायर में हारने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स से अहमदाबाद में होगा।

बेंगलुरु ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 207 रन का विशाल स्कोर बनाया और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ को छह विकेट पर 193 रन पर थाम लिया।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाटीदार ने कप्तान फाफ डू प्लेसिस के शून्य पर पहले ओवर में आउट होने के बाद मैदान में उतरते हुए पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पाटीदार ने 54 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 12 चौके और सात छक्के लगाए। कार्तिक ने 23 गेंदों पर नाबाद 37 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

पाटीदार इस सीजन में दूसरे विकल्प के तौर पर प्लेइंग इलेवन में शामिल हुए थे, लेकिन इस पारी में उन्होंने किसी भी परिपक्व बल्लेबाज की तरह बल्लेबाजी करते रहे और पारी के अंत में अविजित ही पवेलियन की ओर गए। लखनऊ के फील्डर द्वारा दिए जीवनदानों और पाटीदार के शतक ने बेंगलुरु को एक बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। मोहसिन के अलावा तमाम गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। विराट कोहली ने 24 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली । उनके आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल नौ और महिपाल लोमरोर 14 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन इसके बाद बेंगलुरु ने जो गति पकड़ी तो वह 207 रन पर जाकर ही थमी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल ने एक छोर से पारी को संभाले रखा लेकिन जब निर्णायक ओवरों में पारी को गति देने की जरूरत थी तब वह टीम के 180 के स्कोर पर जोश हेजलवुड का शिकार बन गए। राहुल ने 58 गेंदों पर 79 रन में तीन चौके और पांच छक्के लगाए।

दीपक हुड्डा ने 26 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 45 रन, मनन वोहरा ने 11 गेंदों में 19 रन और मार्कस स्टॉयनिस ने नौ रन बनाये। दुष्मंता चमीरा 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन खेल दिखाने के बाद, 18 अंक हासिल करने के बावजूद लखनऊ नेट रन रेट के लिहाज से राजस्थान से पिछड़ गई। इसके बाद प्लेऑफ के एलिमिनेटर मुकाबले में उन्हें बेंगलुरु से हार झेलनी पड़ी। कप्तान केएल राहुल ने टॉस के दौरान जेसन होल्डर को प्लेइंग इलेवन में जगह न देने को लेकर कहा था कि टीम होल्डर का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है, आज शायद लखनऊ को होल्डर की सबसे ज्यादा जरूरत थी।

अनुराग ठाकुर ने भारतीय तीरंदाजी टीम को किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) में आयोजित विश्व कप 2022 चरण 2 से एक स्वर्ण सहित पांच पदक के साथ स्वदेश लौटने वाली भारतीय तीरंदाजी टीम को सम्मानित किया।

अभिषेक वर्मा, रजत चौहान और अमन सैनी की पुरुष कंपाउंड टीम ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि भारत ने टूनार्मेंट में रजत पदक और तीन कांस्य पदक जीते। मोहन भारद्वाज ने पुरुषों के कंपाउंड में व्यक्तिगत रजत पदक जीता था।

तीरंदाज के प्रयासों की सराहना करते हुए ठाकुर ने कहा, उन्होंने इन पदकों को जीतने के लिए बहुत मेहनत की है। यह जीत देश के लिए बहुत मायने रखती है। हमें अपने लिए अपनी प्रशंसा कराने की आदत बनानी चाहिए, क्योंकि एथलीट, जो भी कर रहे हैं, इस देश के लिए कर रहे हैं।

टूनार्मेंट से अपने अनुभव को साझा करते हुए अभिषेक वर्मा ने कहा, हम एशियाई गेम्स की तैयारी कर रहे थे, इसलिए टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। सटीकता और तकनीकी पहलुओं के मामले में भारत की तीरंदाजी में काफी सुधार हुआ है। सभी के साथ बुनियादी ढांचे, कोचिंग, एक्सपोजर, कैंपों के मामले में महासंघ और सरकार की ओर से समर्थन, हम इतना कुछ हासिल करने में सक्षम हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, आगे बढ़ते हुए यह गति जारी रहेगी और जून में, जैसे ही हम विश्व कप के अगले चरण के लिए आगे बढ़ेंगे, हम और पदकों के साथ वापसी करेंगे।

फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में पहुंची पाउला बडोसा

पेरिस, एजेंसी। स्पेन की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में बडोसा ने फ्रेंच वाइल्डकार्ड फियोना फेरो को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

टूनार्मेंट में तीसरी वरीयता प्राप्त बडोसा ने फेरो को 54 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में 6-2, 6-0 से हराया। अगले दौर में बडोसा का सामना स्लोवेनिया की काजा जुवान से होगा।

जहां बडोसा ने आसानी से दूसरे दौर में प्रवेश किया, वहीं 11वें नंबर की जेसिका पेगुला को पहले दौर में वांग कियांग से कड़ी चुनौती मिली। हालांकि अंत में पेगुला ने कियांग को 6-2, 6-4 से हराया।

इससे पहले, पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन सिमोना हालेप ने रोलैंड-गैरोस में पहले दौर में तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में नस्तास्जा शंक को 6-4, 1-6, 6-1 से हराया।

पहला सेट हारने के बाद, 18 वर्षीय शंक ने दूसरा सेट 6-1 से जीतकर पूर्व विश्व नंबर 1 के खिलाफ मजबूत वापसी की, लेकिन हालेप ने तीसरे सेट में अपना मास्टर क्लास दिखाया और 6-1 की जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना दुनिया की 74वें नंबर की खिलाड़ी चीन की झेंग किनवेन से होगा।

मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है : शुभमन गिल

कोलकाता, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के पहले क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया। मंगलवार को यहां ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान द्वारा दिये गए 189 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने मैथ्यू वेड के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के लिए जीत का मार्ग प्रशस्त किया। गिल ने 21 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाए।

डेविड मिलर की 38 गेंदों में 68 और कप्तान हार्दिक पांड्या की 27 गेंदों में 40 रनों की शानदार पारी की बदौलत गुजरात ने राजस्थान के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की। शुभमन गिल और मैथ्यू वेड ने 35-35 रन बनाए। गुजरात टाइटंस अपने पहले सीजन में फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई।

मैच के बाद गिल ने कहा, कोलकाता हमेशा मेरे लिए अच्छा रहा है, मैं खुश हूं कि हम फाइनल में हैं। साहा के आउट होने के बाद, हमने पावरप्ले में अच्छी बल्लेबाजी की। ईडन गार्डन हमेशा मजेदार होता है।

बल्लेबाजी की सतह और अपनी टीम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि सतह बेहतर होगी, लेकिन गेंद थोड़ी पकड़ रही थी और स्पिनरों को इस विकेट पर थोड़ी पकड़ मिल रही थी। यह एक नई टीम है लेकिन जिस तरह से सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी एक साथ आए हैं, यह देखने के लिए जबरदस्त है, हम सभी वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं।

शुभमन ने आगे कहा कि उन्होंने गुजरात के लिए अच्छा खेला और उनका सीजन अच्छा रहा। उन्होंने कहा, मुझ पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं था, मुझे ड्राफ्ट में चुना गया, क्योंकि मैंने अपनी पिछली फ्रेंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है, मुझे बस अपनी टीम में योगदान देना है और उनके लिए अच्छा करना है।

बता दें कि आईपीएल 2022 के पहले क्वालीफायर में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 188 रनों का स्कोर बनाया। राजस्थान के लिए जोस बटलर ने 56 गेंदों पर 89 रन बनाए, बटलर के अलावा कप्तान संजू सैमसन ने 26 गेंदों पर 47 ओर देवदत्त पडिकल ने 20 गेंदों पर 28 रन बनाए। गुजरात की तरफ से मोहम्मद शमी, यश दयाल, साई किशोर और कप्तान हार्दिक पांड्या ने 1-1 विकेट लिया।

जवाब में डेविड मिलर के 38 गेंदों में बनाए गए विस्फोट 68 रनों और हार्दिक पांड्या के 27 गेंदों में बनाए गए 40 रनों की बदौलत गुजरात टाइटंस ने 19.3 ओवर में 3 विकेट पर 191 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजस्थान की तरफ से ट्रेंट बोल्ट और ओबेद मकॉय ने 1-1 विकेट लिया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : कोहली, रोहित और अश्विन शीर्ष 10 में बरकरार

दुबई, एजेंसी। बांग्लादेश के लिटन दास और श्रीलंका के अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को दोनों टीमों के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है जबकि शीर्ष 10 खिलाड़ियों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बल्लेबाजों की सूची में मार्नस लाबुशेन शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रमशः आठवें और 10वें स्थान पर बने हुए हैं।

पैट की अश्विन पर बढ़त

गेंदबाजी सूची में पैट कमिंस (901 अंक) ने दूसरे स्थान पर मौजूद रविचंद्रन अश्विन पर 51 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे स्थान पर हैं। भारत के रविंद्र जडेजा ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं। पिछली और मौजूदा रैंकिंग के दौरान सिर्फ श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज का मुकाबला हुआ इसलिए सिर्फ इन दो देशों के खिलाड़ियों ने अंक हासिल किए।

लिटन मैथ्यूज को फायदा

पहले टेस्ट में बांग्लादेश की एकमात्र पारी में 88 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास तीन स्थान के फायदे के 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मुकाबले में मैन ऑफ द मैच रहे मैथ्यूज पहली पारी में 199 रन बनाकर पांच स्थान के फायदे से 21वें पायदान पर हैं। रैंकिंग के साप्ताहिक अपडेट में पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और तमीम इकबाल को भी फायदा हुआ है। मुशफिकुर 105 रन की पारी की मदद से चार स्थान आगे बढ़कर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तमीम छह स्थान के फायदे से 27वें पायदान पर हैं। तमीम ने 133 रन की पारी खेली थी।

गेंदबाजों की रैंकिंग में बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन एक स्थान आगे बढ़कर 29वें पायदान पर हैं। शाकिब ने पहले टेस्ट में चार विकेट चटकाए। ऑफ स्पिनर नईम हसन पहली पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 105 रन पर छह विकेट चटकाने के बाद नौ स्थान के फायदे से 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के तेज गेंदबाज कासुन रजीता 75वें से 61वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने चार विकेट चटकाए थे। असित फर्नांडो भी शीर्ष 100 में शामिल हो गए हैं।

नरिंदर बत्रा ने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। नरिंदर बत्रा ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। बत्रा अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष भी हैं।

बत्रा ने एक बयान में कहा, "ऐसे समय में जब विश्व हॉकी एक आवश्यक विकास के दौर से गुजर रही है, हॉकी 5 के साथ, एफआईएच हॉकी नेशंस कप के रूप में इस साल एक नई प्रतियोगिता शुरू हो रही है। इसलिए अध्यक्ष के रूप में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को इन सभी गतिविधियों के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। नतीजतन, मैंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।" उन्होंने आगे कहा, "मुझे लगता है कि समय आ गया है कि मैं इस भूमिका को किसी ऐसे व्यक्ति पर छोड़ दूं, जो नए दिमाग और नए विचारों के साथ भारतीय खेलों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाए और साथ ही भारत में 2036 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए। उन्होंने कहा, "मेरे पूरे कार्यकाल में आईओए के अध्यक्ष के रूप में मेरी क्षमता में सेवा करना एक विशेषाधिकार और एक जबरदस्त सम्मान रहा है, मेरा केवल एक ही लक्ष्य रहा है, भारतीय खेल की भलाई और बेहतरी।" इस स्तर पर, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने पिछले 4 वर्षों में मेरा समर्थन किया है और मैं अपने उत्तराधिकारी और भारत में पूरे खेल परिवार की भविष्य में हर सफलता की कामना करता हूं!

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड में नीरज की ट्रेनिंग को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक में भारत को पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने वाले जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा डायमंड लीग से पहले फिनलैंड के लिये रवाना होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने बुधवार को सूचना दी। इस समय तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में ट्रेनिंग कर रहे नीरज 26 मई को फिनलैंड के लिये रवाना होंगे और कुओरटेन ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में प्रतियोगिता की तैयारी करेंगे। नीरज वहां पैरालंपिक पदक विजेता देवेंद्र झझारिया से भी मिलेंगे। 28 दिवसीय ट्रेनिंग कैंप सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत शुरू किया गया है। कुओरटेन में ट्रेनिंग के बाद नीरज फिनलैंड के ही टुरकु के लिये रवाना होंगे, जहां वह पावो नुरमी खेलों में हिस्सा लेंगे। इसके बाद नीरज कुओरटेन में कुओरटेन खेलों और स्टॉकहोम में डायमंड लीग में भी अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

लिवरपूल के बॉस जुर्गन क्लॉप को सीजन का प्रीमियर लीग मैनेजर चुना गया

लंदन, एजेंसी। लिवरपूल के बॉस जुर्गन क्लॉप को 2021/22 सीजन का प्रीमियर लीग मैनेजर चुना गया। 54 वर्षीय जर्मन की लिवरपूल टीम इतिहास में सर्वश्रेष्ठ खिताबी रेस में मैनचेस्टर सिटी से पीछे रह गई। जनवरी में लिवरपूल मैन सिटी से 14 अंक पीछे था, लेकिन उसने 16 जीते और अपने शेष बचे दो मैचों को 92 अंक पर समाप्त करने के लिए ड्रॉ किया, अभियान में किसी भी अन्य टीम की तुलना में कम मैच हारे थे। 22 मई को वॉल्वरहैम्प्टन वांडर्स को 3-1 से हराकर, लिवरपूल ने पूरे सीजन में घर में एक भी मैच नहीं हारे, प्रीमियर लीग में पांचवीं बार यह मुकाम हासिल कर पाए। लेकिन क्लॉप के खिलाड़ियों ने प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में असफल रहे, जो पेप गार्डियोला के मैन सिटी से सिर्फ एक अंक पीछे रहे। यह पुरस्कार क्लॉप ने दूसरी बार जीता है। 2019/20 में लिवरपूल को अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब जिताने के बाद उन्हें इस पुरस्कार से नवाजा गया था। प्रीमियर लीग डॉट कॉम के एक बयान के अनुसार, जनता के वोटों को फुटबॉल विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ मिलाने के बाद क्लॉप को चुना गया, क्योंकि वह पांच-सदस्यीय शॉर्टलिस्ट में शीर्ष पर थे। जर्मन अब अभियान को एक उच्च स्तर पर समाप्त करने की उम्मीद करेगा, जब लिवरपूल का सामना 29 मई को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में रियल मैड्रिड से होगा।

आरसीबी के खिलाड़ी बिना दबाव के अपने प्रदर्शन को अंजाम दें : माइक हेसन

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों को अब दबाव लेने की जरूरत नहीं है। खिलाड़ी बिना दबाव के क्रिकेट को खेलें, ताकि वे क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ सके। आरसीबी बुधवार को ईडन गार्डन में एलिमिनेटर राउंड में लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी, जिसमें विजेता टीम आईपीएल 2022 के फाइनल में जगह बनाने के लिए क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी। पिछले तीन सत्रों में टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए हेसन ने कहा, मुझे लगता है कि टीम के खिलाड़ियों को इस समय दबाव नहीं लेना चाहिए और बिना दबाव के मैच खेलें, जिससे उन्हें जीत हासिल हो सके। उन्होंने आगे कहा कि टीम में कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो अपना योगदान दे रहे हैं, लेकिन इस समय टीम में सभी खिलाड़ियों को योगदान देने की जरूरत है, जिससे वे आईपीएल के विजेता बन सकें। टीम में जहां खामियां हैं, हम उसपर काम कर सकते हैं, जिससे उन्हें दूर किया जा सके।

चेस मास्टर्स : प्रज्ञानानंद ने फाइनल में बनाई जगह, कार्लसन लिरेन से हारे

चेन्नई, एजेंसी। भारत के वंडर ब्वॉय रमेशबाबू प्रज्ञानानंद एक बार फिर दुनिया को हैरान करते हुए डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को हराकर चेसेबल मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई है, जो कि 1.6 मिलियन अमरीकी डालर के चैंपियंस शतरंज टूर का चौथा चरण है।

चेन्नई के 16 वर्षीय ग्रैंड मास्टर ने अपने सभी कौशल का प्रदर्शन किया क्योंकि उन्होंने सुपर स्ट्रोंग डच नंबर 1 गिरी को चीन के विश्व नंबर 2 डिंग लिरेन के साथ फाइनल में खेलने के लिए मात दी, जिन्होंने अन्य सेमीफाइनल में विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। प्रज्ञानानंद ने सर्वश्रेष्ठ चार गेमों के सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे गेम में एक चेकमेट के साथ बढ़त बना ली। लेकिन दो ड्रॉ के बाद नेपाली मूल के डच गिरी ने चौथे गेम में जीत की वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी कर ली। हालांकि, उन्होंने पहले टाईब्रेक गेम में गलती की और प्रज्ञानानंद ने इसका फायदा उठाते हुए 2-2, 1.5-0.5 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही प्रज्ञानानंद ने चैंपियंस शतरंज टूर के सीजन फिनाले में भी अपनी जगह पक्की कर ली है, जो इस साल नवंबर में खेला जाएगा। अविश्वसनीय रूप से स्कूली छात्र प्रज्ञानानंद को बुधवार को अपनी 11वीं कक्षा की परीक्षा देनी है।

प्ले मैग्नस ग्रुप के आयोजकों ने उनके हवाले से कहा, मुझे सुबह करीब 8:45 बजे स्कूल जाना है। और अब 2 बजे हैं और फिर परीक्षा के कुछ घंटों के आराम के बाद, वह डिंग लिरेन के साथ फाइनल मैच के लिए अपने कंप्यूटर पर वापस आ जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित

धवन, राहुल त्रिपाठी व सैमसन का नाम न होने से प्रशंसक निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला और इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा की थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संभावित टीम को लेकर काफी उम्मीदें थीं। लेकिन घोषणा के तुरंत बाद, क्रिकेट प्रेमियों में निराशा की लहर दौड़ गई, क्योंकि घोषित टीम में उन खिलाड़ियों के नाम नहीं थे, जिनकी उन्हें उम्मीद थी।

पिछले कुछ सत्रों में, इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन में काफी निरंतरता दिखाई है। 2021 के बाद से, त्रिपाठी ने 790 रन बनाए हैं और पूरे टूनार्मेंट और घरेलू सर्किट में स्थिर रहे हैं। राहुल ने अब तक 161.72 के स्ट्राइक रेट से 393 रन बनाए थे। विशेष रूप से, वह इस संस्करण में सनराइजर्स के लिए अब तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

जबकि सैमसन ने अपनी नॉकआउट बल्लेबाजी से इसी अवधि में 850 से अधिक रन बनाए हैं। समर्थकों का एक बड़ा बहुमत दावा कर रहा है कि वह अपने शानदार सीजन के बाद टीम में शामिल होने के हकदार थे, जो उन्हें देश के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक के रूप में रखता है। सैमसन की अद्भुत कप्तानी को भी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने एक के बाद एक धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया।

चयनकताओं द्वारा ठुकराए गए एक अन्य खिलाड़ी शिखर धवन हैं। धवन ने अब तक आईपीएल 2022 में 14 मैचों में 460 रन बनाए हैं, जबकि पिछले सीजन में 587 और एक साल पहले 618 रन बनाए थे। हालाँकि वह अभी भी एकदिनी टीम का हिस्सा है, लेकिन उन्हें टी-20 टीम में शामिल नहीं किया गया है।

आगामी श्रृंखला के लिए चयनकताओं द्वारा नजरअंदाज किए जाने के बावजूद, संजू सैमसन मंगलवार (24 मई) को आरआर के प्लेऑफ मैच में बेफिक्र दिखे।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज सैमसन ने एक बार फिर प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालीफायर 1 में अपने नॉकआउट कौशल का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से, सैमसन ने सामने से अपनी टीम का नेतृत्व किया और मध्य क्रम के बल्लेबाजों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए एक शानदार नींव प्रदान करने के लिए 47 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने शमी की गेंदों पर दो चौके लगाए जबकि छठे ओवर में अल्जारी जोसेफ की गेंद पर दो छक्के लगाए और पावर प्ले के अंत में रॉयल के स्कोर को 1 विकेट पर 55 रन तक ले गए।

निस्संदेह, ये सभी खिलाड़ी मास्टर बल्लेबाज हैं और उनका भारतीय टीम में चयन न होना निराशाजनक है, बावजूद इसके यह साफ है कि फैंस और समर्थक इन खिलाड़ियों को सभी फॉर्मेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देखना चाहते हैं।